TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition-3 | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | मंगलवार | दिनांक- 01.09.2026

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण हो कार्रवाई: सीडीओ... (पेज-3)

अलीगढ़ आगरा रोड मड़राक के कृष्णा रिसॉर्ट में देह व्यापार का पुलिस ने किया खुलासा

चार युवक और पांच महिलाएं गिरफ्तार, 9 मोबाइल और 8,990 रुपये बरामद

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

जनपद के मड़राक थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। पुलिस ने कृष्णा रिसॉर्ट में कथित रूप से चल रहे अनैतिक देह व्यापार के मामले में कार्रवाई करते हुए चार युवकों और पांच महिलाओं समेत कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है

पुलिस के मुताबिक, रिसॉर्ट में महिलाओं से कथित रूप से अनैतिक देह व्यापार कराए जाने और इससे अवैध धन अर्जित किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 255/2026 दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

क्षेत्राधिकारी इगलास कमलेश कुमार के निर्देशन में मड़राक पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों–पिंकू उर्फ विशाल, अभिषेक कुमार, चन्दन और अमित–को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके साथ पांच महिलाओं को भी गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 9 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं वह कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी पुलिस को बरामद हुई है।

फांसी के फंदे पर लटके मिले युवक-युवती के शव

- एत्मादपुर के रहनकला गांव में प्रेम संबंध की चर्चा से सनसनी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एत्मादपुर थाना क्षेत्र के रहनाकला गांव में सोमवार सुबह युवक और युवती के शव फंदे पर लटके मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों की उम्र करीब 19 से 22 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आ रही है। मृतक युवक की पहचान प्रीतम के रूप में बताई गई है।

जानकारी के मुताबिक प्रीतम पहले से शादीशुदा था और रैपिडो में काम करता था। जबकि युवती इंद्रावती का कुछ दिन पहले ही परिजनों ने रिश्ता तय किया था। बताया जा रहा है कि रविवार को इंद्रावती के माता-पिता रिश्तेदारी में गए हुए थे। इसी दौरान घर में दोनों की मौत की घटना सामने आई। सोमवार सुबह शव फंदे पर लटके मिलने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। मौत आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

विधायक अंजुला माहोर के खिलाफ भड़का जन आक्रोश

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

शहर के अलीगढ़ रोड स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम की बिल्डिंग के पास वाली गली के निवासियों ने सोमवार दोपहर जमकर हंगामा व प्रदर्शन किया गया। सूचना पाकर मौके पर नगर पालिका के ईओ व पुलिस बल पहुंच गया था और क्षेत्रीय लोगों ने सदर विधायक के खिलाफ सड़क और नाली निर्माण में गलत तरीके से कार्य कराये जाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

बता दें अलीगढ़ रोड स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम की बिल्डिंग के पास सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर की कोठी है। जहां महिलाएं प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में सड़क पर बैठ गईं, जिससे यातायात बाधित हो गया और जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गये। प्रदर्शनकारियों ने इन अधिकारियों का घेराव किया और नारेबाजी की।

लोगों ने लगाया मनमानी का आरोप

क्षेत्रीय लोगों का आरोप था कि सदर विधायक ने हाल ही में इस गली में अपनी कोठी बनवाई है। उन्होंने अपनी कोठी के लिए पुरानी सड़क को उखड़वाकर दोबारा बनवाया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने घर के आगे एक नाली को रुकवाकर उसे मोड़ दिया है, ताकि उनकी कोठी के सामने कोई समस्या न हो। लोगों ने कहा कि उक्त कार्य में मनमानी के कारण उनके घरों में गंदा पानी घुस रहा है और भविष्य में जलभराव की समस्या और बढ़ जाएगी।प्रदर्शन के दौरान महिलाएं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) की गाड़ी के आगे बैठ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईओ अपनी गाड़ी से उतरकर उनसे बात नहीं कर रहे हैं। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्पष्ट कह दिया कि यह नगर पालिका का मामला है और यदि ईओ गाड़ी से नहीं उतरेंगे तो समस्या का समाधान नहीं हो पाएगा। कुछ पुलिसकर्मी वापस भी जाने लगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिशासी अधिकारी ने गली में चल रहे नाली निर्माण कार्य को तत्काल रुकवा दिया और नाली को दिए जा रहे मोड़ को भी भरवा दिया। इस दौरान भी लोगों ने सदर विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सदर विधायक की कोठी के बाहर भी भारी भीड़ और पुलिस बल मौजूद रहा, हालांकि विधायक उस समय अपनी कोठी में मौजूद नहीं थीं। लोगों ने समस्या समाधान एवं जलभराव की स्थिति उत्पन्न ना हो की मांग की गई।

भागवत ने बताया 'विश्व गुरु' बनने का राज

'भारत महाशक्ति नहीं, फिर भी करता रहा मदद'

एजेंसी, टोरंटो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत की सभ्यतागत परंपरा दूसरों की बिना भेदभाव मदद करने पर आधारित रही है। भारत ने दुनिया की सेवा 'विश्व गुरु' के रूप में की है, न कि 'सुपर पावर' यानी महाशक्ति के तौर पर। टोरंटो में रविवार को कनाडियन हिंदूज फॉर आउटरीच, रिलेशंस एंड डायलॉग की ओर से आयोजित 'हिंदू विश्व बंधु-एम्ब्रेस द वर्ल्ड इन फ्रेंडशिप' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हिंदू जीवन-दृष्टि सार्वभौमिक है और 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सिद्धांत में विश्वास करती है। उन्होंने सेवा को भारतीय सभ्यतागत मूल्यों की प्रमुख विशेषता बताया।

'भारत ने कभी मदद से इनकार नहीं किया'

भागवत ने कहा कि जब भी दुनिया में कहीं भारत से मदद मांगी गई, उसने कभी इनकार नहीं किया और कई बार बिना मांगे भी मदद के लिए हाथ बढ़ाया। उन्होंने इसे भारत की परंपरा और उसका डीएनए बताया। भागवत ने संत कबीर के दोहों का उल्लेख करते हुए कहा कि बहुत सारी किताबें पढ़ने और विद्वान होने का कोई अर्थ नहीं, अगर व्यक्ति प्रेम का महत्व नहीं समझता। उन्होंने कहा कि मानवता के लिए प्रेम जरूरी है और जब हम सभी एक हैं तो हमें भी उसी भावना के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

'विश्व गुरु' बना भारत, 'महाशक्ति' नहीं

भागवत ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की मदद सहित इतिहास और आधुनिक समय के मानवीय संकटों में भारत की भूमिका का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि उस समय भारत महाशक्ति नहीं था, लेकिन उसने दुनिया की सेवा की। अपने चरित्र के कारण भारत 'विश्व गुरु' बना, 'महाशक्ति' नहीं। उन्होंने कहा कि भारत का उदय अधिक एकजुट और अधिक मुक्त मानवता के निर्माण का माध्यम बनना चाहिए। भागवत फिलहाल अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की तीन देशों की यात्रा पर हैं।

ट्रक ने मारी वाहन में टक्कर, पांच मरे, दो दर्जन घायल

करौली और भरतपुर से अस्थि विसर्जन को पिकअप वाहन में सोरों आ रहे थे

- तीन की मौके पर ही मौत जबकि दो ने अलीगढ़ अस्पताल में दम तोड़ा

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

राजस्थान के करौली और भरतपुर जिले से अस्थि विसर्जन के लिए तीर्थ नगरी सोरों आ रहे लोगों से भरे पिकअप वाहन को सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सदर कोतवाली क्षेत्र में ट्रक ने टक्कर मार दी। पिकअप वाहन में सवार यात्रियों में से तीन की मौके पर जबकि दो ने अलीगढ़ अस्पताल में दम तोड़ दिया। 23 लोग घायल हो गए। घायलों में से गंभीर घायलों को अलीगढ़ रेफर किया गया है।

ये दर्दनाक घटना कासगंज-सिकंदराराऊ मार्ग पर ग्राम मोहनपुर हाईवे पर शिवा इंटर कॉलेज के समीप हुई। घटना के समय छुटपुट वाहनों के अलावा वहां लोगों का आगमन भी नहीं था। वाहनों की भिड़ंत होते ही घायलों कि चीत्कार सुनकर लोग घटना स्थल की और दौड़ पड़े स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई लोग बचाव कार्य में लग गए। पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल ने चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल से अलीगढ़ रेफर कर दिया। जबकि शेष घायलों का उपचार किया है।

हादसे में इनकी हुई मौत

उमेश पुत्र बबलू निवासी ग्राम रेवई थाना महुआ जनपद दौसा, नेहरू पुत्र रामखिलाड़ी निवासी ग्राम नथौली थाना सुरौठ करौली, प्रेम पत्नी तेजराम निवासी ग्राम नौथोली थाना सुरौठ करौली, रीना पत्नी कर्मवीर निवासी ग्राम सलेमपुर कला भरतपुर, अंजलि पत्नी मनीष निवासी ग्राम रेवई थाना महुआ दौसा।

डीएम और एसपी पहुंचे मौके पर

घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं एसपी ओपी सिंह भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने एंबुलेस व सरकारी गाड़ियों से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना स्थल के निरीक्षण के बाद डीएम और एसपी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना।

> सड़क हादसे की घटना में पांच लोगों की मौत हुई है मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। इनमें तीन की मौत मौके पर जबकि दो की मौत अलीगढ़ में हुई हैं। गम्भीर घायलों का अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जा रहा है।
>
> - ओपी सिंह, एसपी कासगंज

कौशाम्बी: पटाखा फैक्टरी में भीषण आग

धमाकों से दहला मनौरी बाजार, नौ की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

प्रयागराज/कौशाम्बी।

पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। नौ लोगों की मौत हो चुकी है। करीब दर्जन भर लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। इसमें तीन वेंटीलेटर पर हैं।

मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं।

हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

कौशाम्बी और प्रयागराज सीमा पर स्थित मनौरी बाजार स्थित पटाखा फैक्टरी में सोमवार दोपहर अचानक भीषण विस्फोट हो गया। लगातार हुए धमाकों से आसपास का इलाका दहल उठा। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि करीब तीन किलोमीटर दूर तक इसकी धमक महसूस की गई। हादसे में फैक्टरी के आसपास बने 15 से अधिक मकान धराशायी हो गए। मलबे में बड़ी संख्या में लोगों के दबे होने की आशंका है। विस्फोट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सरकार बोली- प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द कराने की लगाई याचिका

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार, कहा- अप्रिय घटना की संभावना नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों से जुड़ी एफआईआर रद्द करवाने के लिए याचिका लगाई है। यह जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि एफआईआर रद्द कराने के लिए हम अनुच्छेद 142 का सहारा ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई के लिए तैयरा हो गया है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के मार्च पर रोक लगाने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान पेश हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को दिल्ली में होने वाले इस मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी, ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि

प्रशासन से उम्मीद है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और सभी पक्षों को जिम्मेदारी से और कानून के मुताबिक काम करना सुनिश्चित करेगा। यह याचिका रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले BRICS समिट को देखते हुए बड़े जुलूस और प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

सीजेपी का आरोप- सरकार ने चार में से तीन मांगें अभी नहीं मानी

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। सीजेपी ने पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती।

सरकार के सामने रखी गईं चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। दूसरी- छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाए और कोई कार्रवाई न की जाए। तीसरी- RAF और दिल्ली पुलिस माफी मांगे। कॉकरोच पार्टी 5 सितंबर को फिर से दिल्ली में मार्च निकालने वाली है। उन्होंने लोगों से इसमें शामिल होने की भी अपील की। सीजेपी ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया था।

बीजेपी नेता आशुतोष रांका और सौरव दास ने 25 जुलाई को ही केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ मुलाकात की थी। इसमें सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच मांगों पर सहमति बनी थी।

बीजेपी नेता आशुतोष रांका और सौरव दास ने 25 जुलाई को ही केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ मुलाकात की थी। इसमें सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच मांगों पर सहमति बनी थी।

दिल्ली में बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप: ग्रेटर नोएडा से बैठाया

नई दिल्ली। राजधानी में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित यूपी के मैनपुरी की रहने वाली है।

लाल बलुआ पत्थर सुनाते हैं फतेहपुर सीकरी की रोचक दास्तां

मेहराजुद्दीन, फतेहपुर सीकरी।

- **लाल पत्थरों में दफन बादशाहत, सूफी की दुआ और दीन-ए-इलाही की कहानी**
- **जहां अकबर ने राजधानी बसाई, सूफी संत से आशीर्वाद लिया और धर्मों के संवाद का नया अध्याय लिखा**

आगरा से करीब 37 किलोमीटर दूर लाल बलुआ पत्थरों की पहाड़ियों पर बसा फतेहपुर सीकरी भारत के इतिहास का वह अध्याय है, जिसे जितना पढ़ा जाए उतना ही नया दिखाई देता है। यह केवल महलों, मस्जिदों और दरवाजों का शहर नहीं, बल्कि बादशाह अकबर के सपनों, सूफी परंपरा, स्थापत्य कला और धार्मिक-विचारों के प्रयोगों की जीवंत कहानी है। आज यहां सैलानियों की भीड़ दिखाई देती है, कैमरों की क्लिक सुनाई देती है और गाइड इतिहास की दास्तान सुनाते हैं। लेकिन कभी यही स्थान मुगल साम्राज्य की राजधानी था, जहां शाही फरमान जारी होते थे, दरबार सजते थे और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए लोगों की आवाजाही रहती थी।

इबादतखाना: जहां धर्मों पर होती थीं बहसें

फतेहपुर सीकरी के इतिहास का सबसे दिलचस्प अध्याय है इबादतखाना। अकबर ने यहां धार्मिक विद्वानों के बीच चर्चा और विचार-विमर्श की परंपरा शुरू की। विभिन्न धार्मिक परंपराओं के विद्वानों को बुलाकर धर्म, ईश्वर, नैतिकता और मानव जीवन से जुड़े विषयों पर विचार सुने गए।मुस्लिम विद्वानों के अलावा हिंदू, जैन और ईसाई परंपराओं से जुड़े विद्वानों के साथ भी संवाद हुआ। यह उस समय के लिए असाधारण प्रयोग था। अकबर धीरे-धीरे इस निष्कर्ष की ओर बढ़ रहे थे कि एक विशाल और विविध साम्राज्य को केवल राजनीतिक शक्ति से नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व और संवाद की भावना से भी मजबूत किया जा सकता है।

दीवान-ए-खास और अकबर का दरबार

दीवान-ए-खास का केंद्रीय स्तंभ फतेहपुर सीकरी की स्थापत्य कला की विशिष्ट पहचान है।कल्पना कीजिए–सदियों पहले इसी परिसर में शाही दरबार लगता होगा। साम्राज्य के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते होंगे। दूर-दराज से आए राजदूत और दरबारी यहां मौजूद रहते होंगे। आज उसी स्थान पर पर्यटक खड़े होकर इतिहास की कल्पना करते हैं।

पंच महल और अनूप तालाब

पांच मंजिला पंच महल फतेहपुर सीकरी की खूबसूरत संरचनाओं में शामिल है। इसके खुले स्तंभों और ऊंचाई से आसपास का विस्तृत दृश्य दिखाई देता है। इसके पास स्थित अनूप तालाब शाही परिसर की सुंदरता बढ़ाता है। इस स्थान को संगीत और दरबारी सांस्कृतिक गतिविधियों से भी जोड़ा जाता है।

जोधाबाई का महल और स्थापत्य का संगम

फतेहपुर सीकरी की वास्तुकला की सबसे बड़ी विशेषता उसका सांस्कृतिक मेल है। यहां भारतीय स्थापत्य परंपराओं के साथ इस्लामी और फारसी प्रभाव भी दिखाई देते हैं। स्तंभों की नक्काशी, छतरियां, जालियां, मेहराब और आंगन इस शहर की स्थापत्य विविधता को दशार्ते हैं। इसी वजह से फतेहपुर सीकरी केवल मुगल स्थापत्य का उदाहरण नहीं, बल्कि उस दौर के सांस्कृतिक संपर्क और शिल्प परंपराओं का भी प्रमाण है।

आज का फतेहपुर सीकरी

आज फतेहपुर सीकरी एक विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल और विश्व धरोहर है। दुनिया भर से पर्यटक यहां आते हैं। कोई बुलंद दरवाजा देखने आता है, कोई पंच महल की वास्तुकला देखने, कोई शेख सलीम चिश्ती की दरगाह पर जाता है और कोई अकबर के दरबार की कल्पना करता है। लेकिन शायद सबसे खास बात यह है कि हर व्यक्ति यहां से अपनी एक कहानी लेकर लौटता है।

एक वारिस की तलाश और सूफी संत की दुआ

फतेहपुर सीकरी की कहानी को समझने के लिए सबसे पहले सीकरी और सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के संबंध को समझना जरूरी है।अकबर के जीवन में उत्तराधिकारी का सवाल महत्वपूर्ण था। सीकरी में रहने वाले सूफी संत शेख सलीम चिश्ती से उनका संपर्क हुआ। चर्चा के अनुसार, संत के आशीर्वाद के बाद अकबर के पुत्र सलीम का जन्म हुआ, जो आगे चलकर जहांगीर बने।इस घटना ने अकबर और सीकरी के संबंध को बेहद गहरा कर दिया। इसके बाद अकबर ने इसी क्षेत्र में एक भव्य शाही नगरी के निर्माण का फैसला किया।

सीकरी कैसे बनी फतेहपुर

अकबर ने सीकरी को एक योजनाबद्ध शाही नगर में बदलना शुरू किया। लाल बलुआ पत्थर से बने महलों, दरबारों, मस्जिदों और अन्य इमारतों ने इस शहर को मुगल स्थापत्य का अनूठा उदाहरण बना दिया।गुजरात विजय के बाद 'फतेहपुर' अर्थात विजय का शहर नाम से इसका संबंध और मजबूत हुआ। कुछ ही वर्षों में यह स्थान मुगल साम्राज्य की राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया।

बुलंद दरवाजा—बादशाहत की बुलंदी का प्रतीक

फतेहपुर सीकरी की पहचान उसके विशाल बुलंद दरवाजे के बिना अधूरी है। ऊंची सीढ़ियों के ऊपर खड़ा यह दरवाजा आज भी आने वाले व्यक्ति को अपनी विशालता से प्रभावित करता है। यह गुजरात विजय की स्मृति से जुड़ा हुआ है और मुगल स्थापत्य की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में गिना जाता है।लेकिन बुलंद दरवाजा केवल विजय का प्रतीक नहीं। इसके शिलालेख इंसान को दुनिया की नश्वरता और आध्यात्मिक चिंतन की ओर भी ले जाते हैं।बाहर बादशाहत की बुलंदी और भीतर इंसान की फानी जिंदगी—शायद यही इसका सबसे बड़ा संदेश है।

दीन-ए-इलाही: अकबर का अनोखा प्रयोग

इसी धार्मिक और वैचारिक यात्रा के दौरान लगभग 1582 में दीन-ए-इलाही का उल्लेख मिलता है। दीन-ए-इलाही को लेकर इतिहासकारों के बीच अलग-अलग व्याख्याएं रही हैं। इसे एक सामान्य जन-धर्म के रूप में समझना सही नहीं होगा। यह सीमित लोगों से जुड़ी अकबर की एक धार्मिक-नैतिक पहल थी। इसमें अलग-अलग धार्मिक परंपराओं से जुड़े नैतिक विचारों और आध्यात्मिक मूल्यों को महत्व दिया गया। साथ ही सम्राट के प्रति विशेष निष्ठा और नैतिक अनुशासन की भावना भी इसमें दिखाई देती है। दीन-ए-इलाही के पीछे अकबर की सोच को समझने के लिए सुलह-ए-कुल की अवधारणा भी महत्वपूर्ण है—अर्थात व्यापक रूप से सभी के साथ शांति और सह-अस्तित्व की भावना। इस प्रयोग ने अकबर को अपने समय के दूसरे शासकों से अलग पहचान दी।

शेख सलीम चिश्ती की दरगाह

जामा मस्जिद के विशाल परिसर में स्थित शेख सलीम चिश्ती की सफेद संगमरमर की दरगाह आज भी फतेहपुर सीकरी का आध्यात्मिक केंद्र है।लाल बलुआ पत्थर की विशाल इमारतों के बीच सफेद संगमरमर की यह दरगाह अलग ही आकर्षण पैदा करती है। यहां आने वाले लोग इसे केवल एक ऐतिहासिक इमारत के रूप में नहीं देखते, बल्कि इससे जुड़ी सूफी परंपरा और आस्था को भी महसूस करते हैं।

जर्जर विद्यालय भवन पर चला बुल्डोजर

बाह। छात्र सुरक्षा हित में जर्जर परिषदीय स्कूलों के ध्वस्तीकरण अभियान के तहत सोमवार को बाह विकास खंड के रतीराम पुरा गांव के प्राथमिक विद्यालय के जर्जर एकल कक्ष पर बुल्डोजर चला। ग्राम पंचायत ने भवन का ध्वस्तीकरण करा दिया है। जर्जर भवन में पढ़ने वाले बच्चों के लिए खतरा पैदा हो गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक छात्र सुरक्षा हित में हुई ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान विद्यालय भवन की एक दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। दीवार क्षतिग्रस्त होने से मवेशी आदि के विद्यालय परिसर में प्रवेश की आशंका है। लोगों ने विद्यालय के सुरक्षा घेरे को मजबूत किए जाने के लिए दीवार की मरम्मत किए जाने की मांग उठाई है।

स्कूल के बगल के तालाब में मगरमच्छ, सता रहा पढ़ने वाले बच्चों पर हमले का डर।

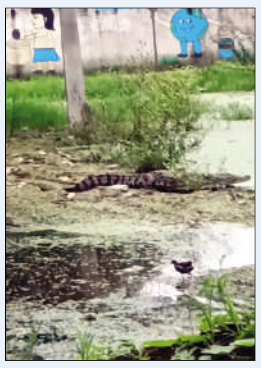

बाह। खेडा राठौर के गुमानसिंह पुरा गांव में परिषदीय प्राथमिक विद्यालय के पास स्थित तालाब में सोमवार को मगरमच्छ दिखने से दहशत फैल गई है। सोशल मीडिया पर तालाब में विचरण करते मगरमच्छ का वीडियो वायरल हुआ है। 12 सेकेंड के वायरल वीडियो में विशालकाय मगरमच्छ तेजी से चलता हुआ दिख रहा है। वीडियो वायरल होने पर स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों पर मगरमच्छ के हमले का डर अभिभावकों को सता रहा है। ग्राम प्रधान सत्यराम बघेल ने बताया कि स्कूल के बगल के तालाब में मगरमच्छ होने की सूचना वन विभाग को दी थी। वन विभाग की टीम गांव आई थी। लेकिन रेस्क्यू नहीं किया जा सका है। जरूरत पड़ने पर तालाब से पानी खाली कराया जाएगा। बाह के रेंजर कुलदीप सहाय पंकज ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर गई थी। तालाब में पानी और कीचड़ होने की बजह से मगरमच्छ को रेस्क्यू नहीं किया जा सका। तालाब को खाली कराने के लिए ग्राम प्रधान से संपर्क साधा गया है। तालाब खाली होने के बाद ही मगरमच्छ को रेस्क्यू किया जा सकेगा।

मढ़ेपुरा में छापा... 9 के खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट

बाह। बिजली चोरी रोकने के लिए विभागीय टीम ने अभयपुरा बिजली घर क्षेत्र के मढ़ेपुरा गांव में सोमवार को छापेमारी की। अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान 9 घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। सभी के खिलाफ एंटी थैफ्ट थाना कमला नगर में प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। छापेमारी के दौरान कई परिवार अपने कटिया तार उतार कर भूमिगत हो गये। छापेमार टीम में आनंद मिश्रा, शेर सिंह, रवि कुमार आदि रहे। जैतपुर के उपखंड अधिकारी शम्भूनाथ, बाह के उपखंड अधिकारी नितिन माहेश्वरी ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

भाई के ससुरालियों ने युवक पीटा

बाह। रेंका गांव में बड़े भाई के ससुरालियों द्वारा पीयूष के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस घायल का मेडीकल कराने के बाद जांच में जुटी है। रेंका गांव के पीयूष ने पुलिस को बताया कि रविवार को बड़े भाई की किरावली में ससुराल है। घर पर भाई और भाभी के बीच कहासुनी हुई थी। जिस पर भाभी ने अपने मायके वाले बुला लिए। देर शाम हथियारों से लेस ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट कर दी। जिससे वह घायल हो गया। मारपीट के दौरान बंदूक की बट से उसके सिर पर चोट लगी है।

क्रेडिट कार्ड की लोकेशन लेकर 33 हजार की ठगी

बाह। व्हाट्सएप पर क्रेडिट कार्ड की लोकेशन लेने के बाद बाह का सचिन 33 हजार रुपये की ठगी का शिकार हुआ है। ठगी का अहसास मोबाइल मैसेज से हुआ। सचिन ने टोल फ्री नंबर 1930 पर दर्ज कराई शिकायत में कहा है कि रविवार को बैंक खाता बंद होने की बात कह कर ई-केवाईसी के लिए व्हाट्सएप पर मैसेज किया। मैसेज के बाद व्हाट्सएप कॉल पर क्रेडिट कार्ड की लोकेशन शेयर करा ली और व्हाट्सएप ट्रेडिंग शुरू कराने के बहाने ओटीपी ले लिया। ओटीपी के बाद 33 हजार 74 रुपये की ट्रेडिंग का मैसेज आया तो उसके होश उड़ गये। टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराकर दोषी पर कार्रवाई के साथ रुपये वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

तीन आरोपी 4 साल बाद गिरफ्तार

खेरागढ़। बीते चार वर्ष पूर्व आत्महत्या करने वाले युवक के पास मिले सुसाइड नोट में नामजद तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया।जानकारी के अनुसार 7 जुलाई 2022 को गांव नगला महासुख निवासी युवक का शव गांव के स्कूल के सामने पेड़ से लटका मिला था। तलाशी के दौरान मिले सुसाइड नोट में तीन लोगों ध्रुव सिंह,प्रयाग सिंह,गोविंद सिंह निवासी नगला महासुख खेरागढ़ के नाम सामने आए थे। मामले में परिजन की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।पुलिस ने मामले की विवेचना में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर सोमवार को तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गुजरात के राज्यपाल ने नरेन्द्र सिंह को किया सम्मानित

वॉलीबाल रेफरी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

टीएनएफ टुडे, बाह।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को अहमदाबाद में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने बाह के पुरा तिन्नेत (कैंजरा) गांव के डॉ. नरेन्द्र सिंह क्षत्रिय को सम्मानित किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबाल रेफरी के रूप में पहचान बनाई है। गुजरात के स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन एवं गुजरात खेल प्राधिकरण के तत्वाधान में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों और कोचों को सम्मानित किया था। बाह के पुरा तिन्नेत (कैंजरा) के मोहन सिंह भदौरिया के बेटे डॉ. नरेन्द्र सिंह क्षत्रिय 6 से 16 अगस्त तक चिली में आयोजित वॉलीबाल के वैश्विक टूनामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए रेफरी नामित थे। गुजरात राज्य वॉलीबाल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष भी हैं। उनके मौसेरे भाई गौरव सिंह, गांव में वॉलीबाल के कोच अल्केन्द्र सिंह जादौन एवं प्रगतिशील नेता पवन भदौरिया ने बताया कि डॉ. नरेन्द्र सिंह क्षत्रिय राष्ट्रीय कार्यशालाओं में बतौर विशेषज्ञ खेल के नियमों एवं खिलाड़ियों के कौशल विकास पर व्याख्यान देते हैं। उनकी उपलब्धि पर पूरे गांव को गर्व है। वॉलीबाल के रेफरी अरुण दुबे, मुकेश शर्मा, सर्वदमन सिंह भदौरिया ने विदेशी धरती पर देश का मान बढ़ाने वाले बाह के बेटे को खुशी का इजहार कर बधाई दी है।

नगला कमाल में बंधे प्रेम के धागे

धर्म जागरण ने जगाई सनातन चेतना

खेरागढ़। धर्म जागरण समन्वय संगठन द्वारा क्षेत्र के गांव नगला कमाल में सोमवार को रक्षासूत्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता स्वामी हरिहरानंद महाराज ने कहा कि रक्षासूत्र केवल कलाई पर बांधा जाने वाला धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समर्पण और सामाजिक दायित्व का पवित्र प्रतीक है। यह हमें अपने धर्म, संस्कृति और समाज के प्रति कर्तव्यों का स्मरण कराता है तथा एकता और समरसता का संदेश देता है। उन्होंने सभी से भेदभाव छोड़कर प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सनातन धर्म, संस्कृति और समाज के प्रति जागरूक रहने तथा आपसी प्रेम और एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला संयोजक राम लखन परमार, अरुण फौजी, हुकम सिंह, जयबीर सिंह, निरंजन सिंह, अभिषेक लवानियां सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जमीन पर कब्जे के विरोध में बेटी और दंपत्ति को पीटा

पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, बाह।

बटेश्वर के गोल डांडा में सोमवार की सुबह 10 बजे जमीन पर कब्जे के विरोध पर बेटी समेत दंपत्ति को पीटे जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने घायलों का मेडीकल कराने के साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गोल डांडा के दिनेश चन्द्र ने पुलिस को बताया कि सुबह 10 बजे छत्रपाल से जमीन के बटवारे का विवाद है। जमीन पर कब्जे के विरोध पर छत्रपाल और उसके बेटे आदित्य आदि ने हमला कर दिया। मारपीट में वह, बेटी नेहा, पत्नी केशकांति घायल हो गई। चीख पुकार मचने पर जुटे बस्ती के लोगों ने बीच बचाव कराया। मौके पर पहुंची बाह पुलिस ने तीनों घायलों का मेडीकल कराया है। वहीं मारपीट के आरोपी पिता छत्रपाल और पुत्र आदित्य को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया है। बाह पुलिस ने पीड़ित परिवार को मेडीकल रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है।

अंतिम संस्कार में बाधा डालकर चकरोड जोती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- **भू-माफिया के आतंक से पीड़ित परिवार ने लगाई सुरक्षा की गुहार**

जैतपुर थाना क्षेत्र के गांव गढवार में दबंग भू-माफिया के आतंक का मामला सामने आया है। आरोपियों पर न केवल एक पीड़ित परिवार को पिता का अंतिम संस्कार करने से रोकने का आरोप है। बल्कि अगले ही दिन सार्वजनिक चक रोड को ट्रैक्टर से जोतकर अवैध कब्जे की कोशिश भी की गई। पीड़ित ने आगरा पुलिस कमिश्नर से जान-माल की सुरक्षा और दबंगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

गांव गढवार निवासी पीड़ित बलवीर सिंह पुत्र स्वर्गीय विश्वनाथ सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गत 28 अगस्त को उनके पिता का देहांत हो गया था। जब परिवारजन अपने निजी खेत पर अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। तभी गांव के दंबग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि उक्त दबंगों ने दाह संस्कार की प्रक्रिया में जबरन रुकावट डाली। पीड़ित परिवार द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। दबंगों के हौसले इतने बुलंद थे कि घटना के अगले दिन 29 अगस्त आरोपियों ने पीड़ित के खेत के पास स्थित सरकारी चक रोड को ट्रैक्टर से जोतकर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया।

पीड़ित की सूचना पर पहुंची 112 पुलिस की गाड़ी को देखकर कुछ आरोपी मौके से भाग निकले। जबकि पुलिस ने मौके से कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया।

तालाब ओवरफ्लो होने से घरों में घुसा

फतेहाबाद के गांव पलिया में छतों पर रहने को मजबूर ग्रामीण

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विकास खंड फतेहाबाद के गांव पलिया में जलभराव के कारण हालात विकट हो गए हैं। गांव के तालाब की सफाई न होने और जल निकासी की कोई व्यवस्था न होने से तालाब का दूषित पानी ओवरफ्लो होकर लोगों के घरों में घुस गया है। इससे करीब एक दर्जन परिवारों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जलभराव के कारण कई लोगों को अपने घर खाली करने पड़े हैं। कई ग्रामीण छतों पर रहने को मजबूर हैं।

जलभराव के चलते बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। बुजुर्गों को पानी के बीच आने जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार रास्ते का अंदाजा नहीं होने के कारण पानी में गिर जाते हैं।

पशुओं को भी पानी के बीच ही बांधना पड़ रहा है, जिससे संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीण ओमप्रकाश ने बताया कि लंबे समय से तालाब की सफाई नहीं कराई गई है। तालाब में भारी मात्रा में कीचड़ और सिल्ट जमा है।

ऐसे में थोड़ी सी बरसात होते ही गंदा पानी ओवरफ्लो होकर रास्तों और घरों में भर जाता है। रास्तों पर जलभराव के कारण सड़कों पर गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। तालाब की गंदगी बहकर घरों तक पहुँचने से संक्रामक बीमारियां फैलने का भी खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या के समाधान के लिए कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिलता है। और समस्या जस की तस बनी हुई है और प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

गांव में जलभराव की समस्या से मुख्य रूप से ओमप्रकाश, बंटी, देवेंद्र, जगदीश, सुभाष, दाताराम, तोताराम और प्रताप सिंह सहित करीब एक दर्जन ग्रामीणों के परिवार प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द तालाब की सफाई कराने और जल निकासी कराने की मांग की है।

कक्षा से लेकर ब्लॉक की अकादमिक धुरी तक, नवाचार और सेवाभाव की मिसाल: अजय कुमार शर्मा

यूथ आइकॉन

शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान कराना नहीं है बल्कि एक ऐसी ज्योति जलाना है जो समाज के अंतिम छोर पर बैठे बच्चे के भविष्य को रोशन कर सके। ताजनगरी आगरा की माटी में जब समर्पण, विज्ञान की तार्किकता और सांस्कृतिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिलता है, तो शिक्षक अजय कुमार शर्मा का नाम स्वतः अग्रिम पंक्ति में आ जाता है। वर्तमान में उच्च प्राथमिक विद्यालय टोडा (पिनाहट, आगरा) में सहायक अध्यापक (विज्ञान) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे अजय कुमार शर्मा आज केवल एक शिक्षक नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के शिक्षा जगत में प्रेरणा के एक मजबूत स्तंभ बन चुके हैं।

मथुरा से पिनाहट तक: सेवा और समर्पण का दो दशक का सफर

अजय कुमार शर्मा के शिक्षण सफर की शुरूआत वर्ष 2010 में मथुरा जनपद के विकास खंड छाता के प्राथमिक विद्यालय लाड़पुर से हुई थी। वहाँ लगातार पाँच वर्षों तक अपनी निष्ठावान सेवाएं देने के बाद, वर्ष 2015 में उन्होंने पिनाहट के वर्तमान विद्यालय में कार्यभार संभाला। विद्यालय जॉइन करने के मात्र दो वर्ष के भीतर ही उनकी कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें न्याय पंचायत प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसके रूप में उन्होंने वर्ष 2019 तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। प्रशासनिक और शैक्षणिक दोनों मोर्चों पर खुद को साबित करते हुए उन्होंने यह दिखा दिया कि एक सच्चा शिक्षक हर चुनौती को अवसर में बदलना

जानता है।

एआरपी के रूप में ब्लॉक की शैक्षणिक तस्वीर बदलने वाले अकादमिक सारथी

दिसंबर 2019 से मार्च 2025 तक का उनका कार्यकाल खंदौली ब्लॉक के शिक्षा इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय की तरह दर्ज है। इस अवधि के लिए उनका चयन खंदौली ब्लॉक के अकादमिक संसाधन व्यक्ति (एआरपी - विज्ञान / सब्जेक्ट एक्सपर्ट) के रूप में हुआ।

इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के तहत उन्होंने ब्लॉक के सभी 145 परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों को अकादमिक गतिविधियों में सशक्त सहयोग दिया और उनकी हर शैक्षणिक समस्या का त्वरित समाधान कराया। शासन की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में उनकी भूमिका अहम रही। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के विभिन्न अकादमिक प्रशिक्षणों में उन्होंने मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाकर सैकड़ों शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। यहाँ तक कि वर्तमान जनगणना कार्य में भी वे मास्टर ट्रेनर के रूप में अत्यंत सराहनीय सेवा दे रहे हैं।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान में खंदौली का स्वर्णिम परचम

अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व और विज्ञान के प्रति उनकी रचनात्मक दृष्टि ने खंदौली ब्लॉक को एक नई पहचान दी। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा का ही परिणाम था कि 'राष्ट्रीय आविष्कार अभियान' के अंतर्गत आयोजित होने वाली विज्ञान प्रतियोगिताओं में खंदौली ब्लॉक ने जनपद आगरा में लगातार 3 वर्षों तक प्रथम स्थान और चौथे वर्ष तृतीय स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया। उनके इन प्रयासों ने परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के भीतर विज्ञान के प्रति एक नई जिज्ञासा और आत्मविश्वास जगाया है।

राष्ट्रीय पटल पर गौरव: CCRT दिल्ली के प्रतिष्ठित मंच पर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व

अगस्त 2026 की एक बेहद खास उपलब्धि ने उनके इस मुकुट में एक और चमकदार नगीना जड़ दिया है। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और सीसीआरटी (सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग, नई दिल्ली) द्वारा आयोजित अत्यंत प्रतिष्ठित 21 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम (4 अगस्त से 25 अगस्त 2026) के लिए संपूर्ण उत्तर प्रदेश से चुने गए केवल 6 प्रतिभागियों में अजय कुमार शर्मा ने अपनी जगह बनाई। यह चयन न केवल उनके व्यक्तिगत शोध और समर्पण का सम्मान है बल्कि पूरे आगरा जनपद के लिए गर्व का विषय है।

नई पीढ़ी के शिक्षकों और युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

अजय कुमार शर्मा का मानना है कि शिक्षण सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा अनुष्ठान है। उनकी यह यात्रा आज के नए जमाने के शिक्षकों और युवाओं को यह सिखाती है कि यदि इरादे मजबूत हों और बच्चों के प्रति सच्चा समर्पण हो, तो सीमित संसाधनों में भी बदलाव की एक बड़ी क्रांति लाई जा सकती है। विज्ञान की प्रयोगशाला से लेकर राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंचों तक अपनी धाक जमाने वाले अजय कुमार शर्मा वाकई शिक्षा जगत के सच्चे 'आदर्श

राजनीति को जनसेवा और युवाओं को राष्ट्रनिर्माण का माध्यम बनाने वाले कर्मयोगी : अरुण लवानियां

कंक्रीट की सड़कों से जनमानस के दिलों तक: निर्माण का अनूठा सफर

संस्कार, सीख और समर्पण: राजनीतिक पाठशाला के वे शुरूआती स्वर्ण वर्ष

आस्था और जनचेतना का महाकुंभ: 51 सुंदरकांड और विशाल आयोजनों की गूंज

आगरा से राजस्थान तक लहराया परचम: युवा शक्ति संगठन का विराट विस्तार

हर जरूरतमंद की ढाल और नई पीढ़ी के प्रेरणास्रोत: धरातल का जननायक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सियासी सूरमा

राजनीतिक गलियारों में सिरमौर वही बनता है जो सत्ता के गलियारों से पहले जनता के दिलों में अपनी जगह बनाता है। आगरा की माटी से उभरकर संपूर्ण ब्रज क्षेत्र और राजस्थान तक युवाओं की सशक्त आवाज बन चुके अरुण लवानियां आज एक ऐसे ही युवा जननायक के रूप में अपनी पहचान दर्ज करा चुके हैं। पेशे से सिविल इंजीनियर और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र के सफल उद्यमी अरुण लवानियां के लिए राजनीति केवल शक्ति का केंद्र नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत और न्याय पहुँचाने का सशक्त माध्यम है।

छात्र जीवन से सामाजिक सरोकार और इंजीनियरिंग का सफर

अरुण लवानियां के सियासी सफर की नींव उनके छात्र जीवन में ही पड़ गई थी। छात्रकाल से ही उनके भीतर सामाजिक समस्याओं के समाधान और जनसेवा को लेकर एक गहरा जुनून था। वर्ष 2007 से 2011 के दौरान सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने 2017 तक एक प्रतिष्ठित हाईवे निर्माण कंपनी में बतौर सिविल इंजीनियर अपनी सेवाएँ दीं। बुनियादी ढाँचे के निर्माण का यह अनुभव उनके जीवन में बड़ा मोड़ लाया और 2017 में उन्होंने स्वयं की कंस्ट्रक्शन फर्म बनाकर सरकारी ठेकेदारी के क्षेत्र में कदम रखा। सड़क और बुनियादी ढाँचे को आकार देने वाले अरुण जल्द ही जन-जन के सपनों को आकार देने की दिशा में मुड़ गए।

राजनीतिक गुरु का सानिध्य और वरुण गांधी यूथ ब्रिगेड में सक्रियता

अरुण लवानियां के राजनीतिक जीवन को दिशा और वैचारिक गहराई वरिष्ठ विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह के सानिध्य में मिली। वर्ष 2006 से 2010 तक डॉ. धर्मपाल सिंह के साथ रहकर उन्होंने राजनीति को सत्ता के बजाय 'जनसेवा और समर्पण' के रूप में समझा। डॉ. धर्मपाल सिंह को अपना राजनीतिक गुरु मानने वाले अरुण ने जमीनी राजनीति के हर दांव-पेच और जन-जुड़ाव के गुर उन्हीं से सीखे। इसके बाद 2011-12 में वे राष्ट्रीय स्तर के युवा नेता वरुण गांधी से जुड़े और 'वरुण गांधी यूथ ब्रिगेड' में अत्यंत सक्रियता व निष्ठा के साथ काम करते हुए युवाओं के बीच अपनी पैठ मजबूत की।

युवा शक्ति संगठन: आगरा से राजस्थान तक जनसैलाब का नेटवर्क

युवाओं को संगठित कर उन्हें राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से अरुण लवानियां ने वर्ष 2024 में 'युवा शक्ति संगठन' की स्थापना की। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष उन्होंने एक बेहद मजबूत, अनुशासित और समर्पित कार्यकारिणी का गठन किया। देखते ही देखते आगरा जिले में युवा शक्ति संगठन कार्यकताओं की एक विशाल फौज के रूप में खड़ा हो गया।

अरुण लवानियां के नेतृत्व में आगरा में सांस्कृतिक, सामाजिक और जन-जागरूकता के ऐसे विशाल आयोजन हुए, जिनमें हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ा। धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना के प्रसार के लिए उन्होंने युवा शक्ति संगठन के संजीव शर्मा के साथ मिलकर 51 सुंदरकांड पाठ की भव्य श्रृंखला आयोजित की, जिसने आगरा के जनमानस में एक अद्भुत आध्यात्मिक और सामाजिक ऊर्जा का संचार किया। आज युवा शक्ति संगठन की गूंज केवल आगरा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सांगठनिक विस्तार अलीगढ़, कासगंज, ग्वालियर, किशनगढ़ और जोधपुर तक हो चुका है।

हर जरूरतमंद का संबल और दूरदर्शी सोच

अरुण लवानियां की सबसे बड़ी खासियत उनका सहज और सुलभ होना है। जब भी कोई जरूरतमंद व्यक्ति मदद की गुहार लगाता है, अरुण लवानियां बिना किसी औपचारिकता के स्वयं उसके पास पहुँचते हैं और हर संभव सहायता प्रदान करते हैं।

उनका स्पष्ट मानना है कि युवा पीढ़ी को भटकाव से बचाकर राष्ट्रनिर्माण की सही दिशा दी जाए। आम जनमानस को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाए। समाज में राष्ट्रसेवा, सामाजिक सरोकार और प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति गहरा प्रेम पैदा किया जाए। इंजीनियरिंग की सटीकता, गुरुजनों से मिला संस्कारों का मार्गदर्शन और युवाओं का असीम विश्वास–ये तीन स्तंभ अरुण लवानियां को आने वाले समय में आगरा और उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चमकता हुआ 'सियासी सिरमौर' बनाते हैं।

नोट- सियासी सूरमा कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10 सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नंबर 9412359817 पर भेजें।

लपकों पर कसा पर्यटन पुलिस का शिकंजा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को परेशान करने वाले कथित लपकों के खिलाफ पर्यटन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अभियान चलाकर पुलिस ने 9 लपकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद पर्यटन स्थलों के आसपास सक्रिय अन्य लोगों में भी खलबली मच गई है। आगरा में रोजाना बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताजमहल और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों का दीदार करने पहुंचते हैं। पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए पर्यटन स्थलों के आसपास कई लोग सक्रिय रहते हैं। आरोप है कि ये लोग पर्यटकों से संपर्क कर उन्हें गाइड, होटल, टैक्सी और अन्य पर्यटन सेवाएं उपलब्ध कराने के नाम पर अपने साथ ले जाने का प्रयास करते हैं। कई बार पर्यटकों को घेरकर अपनी सेवाएं लेने के लिए दबाव बनाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्यटन पुलिस लगातार पर्यटन क्षेत्रों में निगरानी और चेकिंग अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत पुलिस टीमों ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए कार्रवाई की और नियमों का उल्लंघन करने वाले 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई एसीपी ताज सुरक्षा यतेंद्र नगर के नेतृत्व में की गई। अभियान में थाना पर्यटन प्रभारी पूनम त्यागी, एसआई मनीष कुमार, हेड कांस्टेबल ज्ञानेंद्र बाबू, आरसी सचिन कुमार और आरसी अतिश टीम-1 में शामिल रहे। वहीं टीम-2 में एसआई रवि कुमार, आरसी प्रिंस और आरसी केशव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। दोनों टीमों ने पर्यटन क्षेत्रों में अभियान चलाकर पर्यटकों के आसपास संदिग्ध रूप से घूम रहे लोगों की जांच की और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।पर्यटन पुलिस की इस कार्रवाई से ताजमहल और आसपास के पर्यटन क्षेत्रों में सक्रिय लपकों में हड़कंप मच गया है।पुलिस का उद्देश्य आगरा आने वाले पर्यटकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर माहौल उपलब्ध कराना है, ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 को, तैयारियों की समीक्षा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अधिकाधिक मामलों को लोक अदालत में चिह्नित करने के दिए निर्देश

12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक वादों एवं मामलों को निस्तारण हेतु चिह्नित किए जाने का निर्देश दिया गया है। लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से सोमवार को विकास गोयल, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, तृतीय की अध्यक्षता में समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में अध्यक्ष द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करते हुए न्यायालयों में लंबित ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किए जाने पर बल दिया गया। जिनका निस्तारण पक्षकारों की आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर लोक अदालत के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने अधिकाधिक मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में संदर्भित किए जाने तथा पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों के संबंध में जागरूक किए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर पंकज कुमार-क, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्यों एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि लोक अदालत त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्तागण से अधिकाधिक मामलों को चिन्हित कर राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित कराए जाने हेतु सहयोग की अपेक्षा की।

बैठक में बार के अधिवक्तागण सहित समस्त संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेटगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने तथा अधिकाधिक मामलों के निस्तारण हेतु आवश्यक विचार-विमर्श किया गया।

पिता-पुत्र की मौत पर सांसद ने बंधाया ढांढस

सांसद राजकुमार ने 21 हजार रुपये देकर किया सहयोग

टीएनएफ टुडे, कागारौल।

कस्बा निवासी जाटव समाज के शनि पुत्र सुरेन्द्र सिंह एवं उनके पिता सुरेन्द्र सिंह के सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन की सूचना पर फतेहपुर सीकरी सांसद राजकुमार चाहर ने शंकर वाली जाटव बस्ती स्थित मृतकों के परिवार के निवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से भेंट की तथा उन्हें सांत्वना प्रदान की।

सांसद राजकुमार चाहर ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान जानकारी मिली कि पीड़ित परिवार के पास रहने के लिए स्वयं का पक्का आवास भी नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद ने तत्काल उपजिलाधिकारी खेरागढ़ से दूरभाष पर वार्ता कर शासन-प्रशासन की ओर से परिवार को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सांसद ने अपने लेटरहेड पर मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग भी की। परिवार को हर संभव सहयोग दिलाने का भरोसा दिलाया। मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए सांसद राजकुमार चाहर ने मृतक सुरेन्द्र सिंह की पत्नी को अपनी ओर से आर्थिक सहयोग के रूप में ?21,000 की धनराशि भी भेंट की। इस दौरान पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष मेघराज सोलंकी (पिंटू), जयपाल सिंह चाहर, सतेंद्र यादव, सचिन गोयल, बूथ अध्यक्ष वीरपाल सिंह, मानू सहित अनेक स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मिल्टन पब्लिक स्कूल में खेल प्रतिभाओं का उत्सव

क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार मित्तल रहे मुख्य अतिथि

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मिल्टन पब्लिक स्कूल, अवधपुरी में प्रथम ताज खेल महोत्सव-2026 का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। अंतर-विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का सशक्त साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों में भाग लेने और जीत-हार से ऊपर उठकर खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि मैदान पर सीखी गई मेहनत, अनुशासन और टीम भावना जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाती है। कार्यक्रम के दौरान विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए गए। बच्चों के चेहरों पर जीत की खुशी और उपलब्धि का उत्साह साफ दिखाई दिया। प्रथम ताज खेल महोत्सव-2026 का आयोजन 30 अगस्त से 1 सितंबर तक मिल्टन पब्लिक स्कूल, अवधपुरी में किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा विद्यालय स्तर पर उभरती खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है।

फतेहाबाद-रिहावली मार्ग बदहाल

गड्ढों में जिंदगी दांव पर, जिम्मेदार आंख मूंदकर बैठे

इम्पैक्ट रिपोर्टिंग

मोहित शर्मा

कार्यपालिका

मामला उनके संज्ञान में है, मार्ग के विशेष मरम्मत का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा गया है,7 बजट स्वीकृत होते ही कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

-अवर अभियंता, पीडब्ल्यूडी

विधायिका

कई बार लिखित व मौखिक रूप से संबंधित विभाग को मार्ग की जर्जर स्थिति से अवगत कराया है, लेकिन विभाग सुस्त रवैया अपनाए हुए है। वे जल्द ही इस संबंध में उच्चाधिकारियों से मिलेंगे।

-ग्राम प्रधान, कछपुरा

न्यायपालिका

यदि बार-बार की शिकायतों के बावजूद जानबूझकर उपेक्षा की जाती है और इसके परिणामस्वरूप किसी नागरिक को गंभीर चोट या दुर्घटना का सामना करना पड़ता है, तो संबंधित लोक सेवक (अवर अभियंता/जिम्मेदार अधिकारी) के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराए जाने का विधिक प्रावधान है। जनता को अपने अधिकारों के हनन पर कानूनी मदद लेनी चाहिए।

-आर.के. शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता

फतेहाबाद। फतेहाबाद-रिहावली मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लोक निर्माण विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील हो चुका है। हालत यह है कि यह तय करना मुश्किल है कि गड्ढों में सड़क है या सड़क में गड्ढे। तहसील मुख्यालय से आगे निकलते ही मार्ग पर गहरे गड्ढे शुरू हो जाते हैं, जहां से प्रतिदिन गुजरने वाले सैकड़ों वाहन, ऑटो, ई-रिक्शा और दोपहिया वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कछपुरा गांव के पास सडक का वजूद लगभग समाप्त हो चुका है। बारिश के

दौरान जलभराव के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना असंभव हो जाता है, जिससे राहगीर आए दिन चोटिल हो रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों से स्कूल आने वाले छात्र-छात्राएं गौरव, अमन और प्रिया ने बताया कि साइकिलें इन गहरे गड्ढों में अक्सर फिसल जाती हैं, जिससे उनके कपड़े, किताबें खराब होने के साथ-साथ वे गंभीर रूप से घायल भी हो जाते हैं। स्थानीय राहगीर अरविंद सिंह और श्यामवीर ने बताया कि सड़क पर वाहन रोजाना फंसकर पलटते हैं, जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया है।

TNF TODAY की सलाह

ऐसे मिलेगा समस्या का ठोस समाधान

लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता (जे ई) को लिखित प्रार्थना पत्र दें। आवेदन पत्र में कछपुरा गांव के पास के हिस्से का विशेष उल्लेख करें। उत्तर प्रदेश सरकार के जनसुनवाई पोर्टल' पर जाएं। वहां शिकायत दर्ज करें, विकल्प चुनें, सडक की ताजा तस्वीरें अपलोड करें और विभाग में लोक निर्माण विभाग का चयन कर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। इसका संदर्भ संख्या सुरक्षित रखें। ग्राम पंचायत स्तर पर खुली बैठक (ग्राम सभा) में इस मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव पारित करवाकर उसकी प्रति खंड विकास अधिकारी को प्रेषित कराएं।

नोट: 'TNF TODAY' का उद्देश्य केवल खबरों का प्रकाशन करना नहीं, बल्कि आमजन की मूलभूत समस्याओं का जमीनी स्तर पर समाधान कराना है। यदि आपके द्वारा की गई शिकायत या अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन के 8 दिन बाद भी सडक निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है, तो हमारी टीम इस खबर का दूसरा चरण (फॉलोअप) प्रकाशित करेगी, जिसमें सीधे उच्चाधिकारियों (अधिशासी अभियंता/मुख्य अभियंता) और जनप्रतिनिधियों को घेरा जाएगा। यदि आपको प्रार्थना पत्र लिखने या शिकायत दर्ज करने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही है, तो आप बेझिझक हमारे हेल्पलाइन नंबर 8191900160 पर कॉल या व्हाट्सएप मैसेज कर सकते हैं। हमारी टीम आपके लिए निशुल्क ड्राफ्ट तैयार करके आपकी पूरी मदद करेगी।

भारत को जानो प्रतियोगिता में परखी बच्चों की प्रतिभा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत विकास परिषद निकुंज द्वारा अखिल भारतीय भारत को जानो प्रतियोगिता आठ विद्यालयों में कराई गई। इसमें सीनियर के 1000 छात्र एवं जूनियर के 900 छात्रों ने प्रतिभाग किया। संस्थापक प्रमोद अग्रवाल व संरक्षक विनय सिंघल ने बताया कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में देश के प्रति ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनके अंदर छिपी प्रतिभा को भी निखारने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए कनिष्ठ वर्ग तथा कक्षा नौ से बारह तक के विद्यार्थियों के लिए वरिष्ठ वर्ग बनाया गया। विद्यार्थियों ने ओएमआर शीट पर परीक्षा दी।

अध्यक्ष राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से भारत के इतिहास, संस्कृति, खेलकूद और राजनीतिक विज्ञान सहित विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। बच्चों ने उत्साह के साथ परीक्षा में भाग लिया और भारतीय संस्कृति एवं देश के गौरवशाली इतिहास से जुड़े प्रश्नों का उत्तर दिया। परीक्षा को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए सभी विद्यालयों में ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं।

प्रतियोगिता परिषद के पदाधिकारियों की

निगरानी में संपन्न कराई। इस अवसर पर ब्रजप्रान्त महासचिव सीए विवेक अग्रवाल, सचिव श्रीभगवान सिंघल, कोषाध्यक्ष सीए प्रवीण गर्ग, संजय अग्रवाल, अमित गर्ग, शुभम सिंघल आदि मौजूद रहे।

इन विद्यालयों में हुई प्रतियोगिता

एनडीएस कॉन्वेंट स्कूल, आरवीएस वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, श्री सोवरन सिंह त्यागी इंटर कॉलेज, ठाकुर तेज सिंह इंटर कॉलेज, प्रकाश इंटर कॉलेज, नारायण सिंह इंटर कॉलेज, श्री लक्ष्मी देवी इंटर कॉलेज, एसकेएल मेमोरियल स्कूल सिकंदरा।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

मोहन भागवत के 'अमेरिकी सम्बोधन' के मायने

मेरे आकलन में अमेरिकी भाषण का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय मायना यही है: आरएसएस पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर अपने को केवल Hindu organisation के रूप में नहीं, बल्कि मानवता, विविधता और वैश्विक सामाजिक व्यवस्था के बारे में एक वैकल्पिक सभ्यतागत विचार देने वाली संस्था के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। और यदि यह रणनीति आगे ब्रिटेन, कनाडा और अन्य देशों में भी जारी रहती है, तो फ़र की शताब्दी के बाद का दशक भारत के भीतर वैचारिक प्रभाव से आगे बढ़कर वैश्विक वैचारिक प्रभाव की प्रतिस्पर्धा का दशक बन सकता है। आधुनिक भारत का सामाजिक चाणक्य समझे जाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत एक असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी हैं, क्योंकि उन्होंने भाजपा के 'गाबाज' नेतृत्व को बदलवाकर कांग्रेसियों/समाजवादियों को उनके ही राजनीतिक पीच पर 2014 में जो सियासी शिकस्त दिलवाई, उससे आम भारतीयों की राजनीतिक सोच ही बदल गई। पूरी दुनिया ने देखा कि एक मुस्लिम अमेरिकी महापौर (न्यूयॉर्क) ममदानी के विरोध के बावजूद मोहन भागवत सात समंदर पार अमेरिका पहुंचे और 29 अगस्त 2026 को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में जो संबोधन दिया, वह केवल प्रवासी भारतीयों को संबोधित भाषण नहीं था, बल्कि इसे आरएसएस के शताब्दी-वर्ष में हिंदुत्व की वैश्विक प्रस्तुति और भारत की सांस्कृतिक कूटनीति (वसुधैव कुटुम्बकम) के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में पढ़ा जा सकता है। जिस प्रकार से मोहन भागवत ने वहां 'एक विश्व-एक मानवतास, विविधता में एकता, मानवता और प्रवासी भारतीयों की जिम्मेदारी पर जो जोर दिया, वह यदि अगले 100 सालों में विश्व का सांस्कृतिक नक्शा बदल दे तो आपको हैरत में नहीं पड़ना चाहिए। क्योंकि कहा ही गया है कि अग्रसोचि सदा सुखी। इससे 100 साल पहले के आरएसएस और 100 बाद के आरएसएस की अलग झलक उनकी इस यात्रा गत सम्बोधन में मिलती है,... सबसे बड़ा राजनीतिक सवाल है: भागवत के अमेरिकी भाषण ने आरएसएस के सामने एक नई कसौटी खड़ी कर दी है: यदि हिंदुत्व वास्तव में विविधता, मानव-एकता और मुसलमानों सहित सभी समुदायों की बराबर जगह को स्वीकार करता है, तो क्या यही सिद्धांत भारत के घरेलू सामाजिक-राजनीतिक व्यवहार में भी उसी स्पष्टता से दिखाई देगा? इसी प्रश्न को लेकर भारत में विपक्ष ने उनके अमेरिकी वक्तव्य पर सवाल उठाए हैं—आलोचकों ने इसे "doublespeak" तक कहा है।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूवार्नुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरूआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है।

-अनाम

क्या यूपी में चुनावी हवा का रुख बदल रहा है?, तलचट्टों का शोर या योगी की हैट्रिक?

बृज खंडेलवाल

एक तरफ योगी की मजबूत सत्ता, सख्त कानून-व्यवस्था और चमकते एक्सप्रेसवे हैं। दूसरी तरफ बेरोजगार युवा, पेपर लीक और सोशल मीडिया पर गरजता एक अजीब नारा: 'हम कॉकरोच हैं!' चुनावी बिगुल अभी बजा भी नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश की सियासी गलियों में सवाल गूंज रहा है: हवा किस तरफ है?

2027 की गर्मियों में 403 विधानसभा सीटों पर फैसला होगा। बहुमत के लिए 202 सीटें चाहिए। अगस्त 2026 के उपलब्ध सर्वेक्षणों में मुकाबला फिलहाल कांटे का दिखता है। भाजपा-एनडीए और सपा के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन लगभग बराबरी की जमीन पर खड़े नजर आते हैं। लेकिन एक दिलचस्प फर्क है। मुख्यमंत्री पद की पसंद में योगी आदित्यनाथ अभी भी अखिलेश यादव से काफी आगे दिखाई देते हैं। यानी पार्टी बनाम पार्टी मुकाबला कड़ा है, मगर चेहरे की लड़ाई में योगी का पलड़ा भारी है। 2012 में सपा ने 224 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। 2017 में भाजपा ने 312 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 2022 में भाजपा 255 सीटों पर सिमटी, जबकि सपा 111 सीटों के साथ मजबूत विपक्ष बनकर उभरी।

यूपी की राजनीति अब काफी हद तक भाजपा बनाम सपा हो चुकी है। बसपा कमजोर जरूर हुई है, लेकिन उसका वोट बैंक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। दो अंकों में रहने वाला उसका वोट प्रतिशत कई सीटों पर नतीजों का गणित बदल सकता है। बूढ़ा हाथी अब अकेले युद्ध नहीं जीत सकता, लेकिन उसकी चिंघाड़ अभी भी कई मैदान हिला सकती है। और अब मैदान में एक नया जीव चर्चा में है: कॉकरोच। नाम सुनते ही मुस्कान आती है। मगर राजनीति में कभी-कभी मजाक भी गंभीर संकेत बन जाता है।

'हम कॉकरोच हैं'; यह नारा पहली नजर में हास्यास्पद लगता है। लेकिन इसके भीतर युवाओं की गहरी बेचैनी छिपी है। 18 से 25 वर्ष के लाखों मतदाता डिजिटल दुनिया में जीते हैं। उन्हें लंबे भाषणों से ज्यादा मीम, रील और वायरल वीडियो प्रभावित करते हैं।

उनके सामने सवाल बहुत असली हैं, नौकरी कहां है? भर्ती कब होगी? पेपर लीक क्यों होते हैं? परीक्षा होगी तो परिणाम कब आएगा?

यहीं से 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसा व्यंग्यात्मक नैरेटिव गंभीर हो जाता है। संदेश सीधा है: अगर व्यवस्था हमें बार-बार कुचलती है, तो हम कॉकरोच की तरह फिर उठ खड़े होंगे। इस नैरेटिव की खासियत यह है कि इसमें जाति का झंडा नहीं है। इसमें हिंदुत्व का नारा भी नहीं है। यह सीधे रोजगार, शिक्षा और भर्ती व्यवस्था की नाकामी पर चोट करता है।

अगर यह आंदोलन सड़क से सोशल मीडिया तक फैलता है, तो भाजपा के युवा वोट में हलचल पैदा कर सकता है। तीन से पांच प्रतिशत वोट का मामूली झटका भी करीबी मुकाबलों वाली दर्जनों सीटों पर फर्क डाल सकता है। राजनीति में जीत हमेशा अपने वोट बढ़ाने से नहीं मिलती। कभी-कभी सामने वाले के वोटर को घर बैठा देना ही काफी होता है। फिर भी योगी सरकार की जमीन कमजोर नहीं है। कानून-व्यवस्था उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है। एक्सप्रेसवे, सड़कें, एयरपोर्ट, बिजली, राशन, आवास और निवेश जैसे मुद्दों ने सरकार को डिलीवरी और विकास की छवि दी है। राम मंदिर ने सांस्कृतिक राजनीति को भी नई ऊर्जा दी।

सबसे महत्वपूर्ण बात: भाजपा का संगठन मजबूत है। बूथ स्तर तक उसकी पकड़ है। कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का बड़ा वर्ग भी उसके साथ खड़ा दिखाई देता है।

लेकिन दो कार्यकाल के बाद सवाल भी बदलते हैं।

अब आगे क्या?

यही भाजपा की असली परीक्षा है।

बेरोजगारी, पेपर लीक, भर्ती में देरी, महंगाई, किसान, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी बहस के बड़े मुद्दे बन सकते हैं। युवा अब भाषण नहीं, नियुक्ति चाहता है। स्थानीय विधायकों के प्रति नाराजगी भी भाजपा के लिए सिरदर्द बन सकती है। मतदाता सरकार से संतुष्ट हो सकता है, लेकिन अपने विधायक से नहीं।

मतदाता की भाषा में कहें तो; 'लखनऊ ठीक है साहब, लेकिन हमारे मोहल्ले का विधायक बदलना चाहिए!' आगरा में यही स्थिति है। जनता विधायकों से नाराज है, मगर झुकाव भाजपा की तरफ है। कुछ ब्राह्मण वर्गों में नाराजगी की चर्चाएं भी तेज हैं। 'ठाकुर राज' जैसी शिकायतें सुनाई देती हैं। प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक प्रभाव को लेकर असंतोष के स्वर हैं।

अखिलेश यादव इस मौके को भुनाना चाहते हैं। PDA की राजनीति में 'P' को पंडित तक ले जाने की कोशिश इसका संकेत है।

लेकिन नाराजगी का अर्थ वोट का पूरा हस्तांतरण नहीं होता। ब्राह्मणों का भाजपा से रिश्ता कई दशकों पुराना है। सपा की पुरानी यादव-केंद्रित छवि और कानून-व्यवस्था की पुरानी स्मृतियां भी उसके रास्ते में हैं।

अखिलेश ने 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा को नई ऊर्जा दी। ढऊअ के जरिए दलितों और गैर-यादव पिछड़ों तक पहुंच बढ़ी। लेकिन विधानसभा का चुनाव अलग खेल है।

यहां उम्मीदवार, बूथ प्रबंधन, स्थानीय समीकरण और छोटे सामाजिक गठजोड़ बहुत मायने रखते हैं। कांग्रेस अभी जूनियर पार्टनर है। छोटे दल और अक्टक्ट जैसे खिलाड़ी कुछ सीटों पर वोट काट सकते हैं।

विपक्ष के पास मुद्दे हैं। संगठन भी धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। लेकिन अभी लहर दिखाई नहीं देती।

और मुद्दा होना तथा लहर होना; दो अलग चीजें हैं।

तो फिर हवा किस तरफ है?

अगस्त 2026 की तस्वीर में हवा किसी एक दिशा में तूफानी रफ्तार से नहीं बह रही। मुकाबला पिछली बार से निश्चित रूप से कठिन है। सत्ता विरोधी भावना मौजूद है, लेकिन अभी वह सुनामी नहीं बनी है।

कॉकरोच आंदोलन भाजपा के युवा वोट को प्रभावित कर सकता है। लेकिन उसका गैर-दलीय चरित्र विपक्ष के लिए भी जोखिम है। वह वोट में बदलेगा, मतदान से दूरी बनाएगा या केवल सोशल मीडिया का शोर रहेगा; यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। आखिरकार चुनाव अभी दूर है। अगले दस महीनों में उम्मीदवार, गठबंधन, जातीय समीकरण और अंतिम समय का नैरेटिव बहुत कुछ बदल सकते हैं।

फिलहाल भाजपा के पास कई ठोस फायदे हैं, योगी की लोकप्रियता, मजबूत संगठन, कानून-व्यवस्था की छवि, कल्याणकारी योजनाएं और दिखाई देने वाला विकास।

इसलिए शुरुआती तस्वीर साफ है:

मुकाबला कड़ा है, मगर हवा पूरी तरह बदली नहीं है।

अगर योगी सरकार बेरोजगारी और भर्ती की समस्या पर निर्णायक कदम उठाती है, युवाओं की नाराजगी कम करती है, स्थानीय विधायकों के खिलाफ असंतोष साधती है और सामाजिक संतुलन बनाए रखती है, तो भाजपा की बढ़त कायम रह सकती है।

2027 की कहानी अभी खुली किताब है। मगर शुरूआती पन्नों पर योगी का नाम साफ दिखाई देता है।

कॉकरोच शोर मचा सकते हैं। विपक्ष चुनौती दे सकता है। लेकिन चुनाव का फैसला अंततः काम, भरोसे और मतदाता के मूड से होगा।

और अगर अगले दस महीनों में सरकार प्रदर्शन मजबूत करती है, संगठन एकजुट रहता है और युवा असंतोष को समय रहते साध लिया जाता है, तो उत्तर प्रदेश में फिर इतिहास लिखा जा सकता है;

योगी आदित्यनाथ की हैट्रिक।

क्योंकि चुनाव में नारा कुछ दिनों तक चलता है।

काम का हिसाब पांच साल तक चलता है।

उच्च शिक्षा संस्थानों और इंडस्ट्री डिमांड के बीच संतुलन बैठाना ही प्राथमिकता होनी चाहिए

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छात्रों के समग्र विकास की ओर ध्यान देनी वाली है। स्कूली शिक्षा से उच्च शिक्षा तक नई नीति अपनी मातृ भाषा, क्षेत्रीय भाषा में पढ़ने का विकल्प देती है। स्कूली शिक्षा में 10+2 सिस्टम को खत्म कर 5+3+3+4 सिस्टम को लागू कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा की शुरूआत से ही छात्र के अंदर विषय के साथ साथ खेल, रचनात्मक अध्ययन, विश्लेषण आदि के लिए प्रेरित करने वाली है। स्कूली शिक्षा बेहतर होगी तभी आगे का सफर सुलभ होगा।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक का समावेश है नई शिक्षा नीति। नई जीति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगारपरक विषयो के अध्ययन की ओर विशेष ध्यान दिया गया है जिससे छात्र आत्मनिर्भर बन सके। लेकिन इसके प्रैक्टिकल क्रियान्वन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सिर्फ थ्योरी विषयों पर उच्च शिक्षा संस्थान सिमट कर रह जा रही है। इससे रोजगारपरक ज्ञान का अभाव छात्रों के मध्य उत्पन्न हो गया है। इंडस्ट्री और लुएक्(उच्च शिक्षा संस्थान) के बीच में उत्पन्न गैप बढ़ता ही जा रहा है और छात्र को रोजगार नहीं मिल पा रहे है। शिक्षकों को भी नई तकनीक और अवसरों के साथ अपने आप को जोड़ना होगा इसमें ठएढ अच्छा कार्य करेगी लेकिन संस्थानों को साधन सम्पन्न होना होगा और छात्रों को इंडस्ट्री के लिए तैयार करना होगा।

शोध और अनुसंधान की ओर विशेष ध्यान देने का समय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन दोनो को ध्यान में रखकर ही कार्य किया गया है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा होने के कारण नवीन तकनीक के माध्यम से शोध और अनुसंधान कार्यो पर और ध्यान देना होगा। हमे इसे आगे बढ़ाना ही होगा।

सभी राजकीय एवं प्राइवेट विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय को पढ़ाई,परीक्षा,परिणाम(पीपीपी) को सही करना होगा। सभी जगह और बेहतर पढ़ाई हो, परीक्षा समय पर हो , एवं परिणाम समय पर आएगा तो यह नीति और कारगर सिद्ध होगी। हम सभी इस और संकल्पित है। सभी को इस ओर ध्यान देना होगा। हमे अब शिक्षा के लिए विदेशों ने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी हमे यही उच्चस्तरीय शिक्षा भारतवर्ष में ही मिल जाएगी। भारतवर्ष में उच्च शिक्षा का बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर है और निश्चित ही आगे आना वाला समय भारत के युवाओं का है और हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मापदंडों को सख्ती और बेहतर तरीके से लागू कर अपने वैभव को प्राप्त कर लेंगे। प्रत्येक छात्र को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके यही सरकारों का उद्देश्य है और भारत के उज्जवल भविष्य के लिए यह आवश्यक भी है।

-डॉ अनुराग शर्मा

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 2 सितंबर 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृषभ मिथुन सिंह तुला और धनु राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश तथा बुद्धि के प्रदाता बुध देव की उपासना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश जी को दूर्वा दल अर्पित करने तथा गणपति अथर्वशीर्ष का वाचन करने से जीवन की समस्त रुकावटें दूर होती हैं और असीम ज्ञान आरोग्यता तथा व्यापारिक सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यावसायिक साख में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक बढ़ेगा। पुराने अटके हुए काम गति पाएंगे और सोची हुई योजनाएं सफलतापूर्वक क्रियान्वित होंगी। भगवान गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि से जुड़े मामले हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको कोई मुख्य जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। गणपति जी के सम्मुख घी का दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

कर्क

आज मानसिक रूप से आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। रिद्धि सिद्धि के दाता को मोदक अर्पित करें जिससे आपकी चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन खरीदते समय अपने बजट का ध्यान रखें और अत्यधिक खर्च पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी मेहनत का बहुत सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। बेसहारा लोगों को भोजन कराएं जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव विस्तृत होगा और उनके कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से रुका हुआ काम पूरा होगा। मंदिर में हरी मूंग की दाल दान करें जिससे आपके भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

आज धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे मन को असीम शांति मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। संकट नाशन गणेश स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण थकावट महसूस हो सकती है। संबंधियों के साथ धन का लेनदेन करते समय पूरी सावधानी बरतें। गणेश मंत्र का जाप करें जिससे आपके भीतर नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

आज साझेदारी में चल रहे व्यापार में मनोनुकूल प्रगति होगी और नए सहयोगी सम्मिलित होने से काम को एक नई गति प्राप्त होगी। पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा। विघ्नहर्ता गणेश जी को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के कष्ट दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने मामलों में आज आपके पक्ष में कोई सुखद खबर मिल सकती है। पक्षियों को अन्न खिलाएं जिससे आपके मन का भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को कोई महत्वपूर्ण पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान की शिक्षा को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं समाप्त होंगी। मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और साधनों में वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन भवन के उत्तर या ईशान कोण को स्वच्छ रखकर वहां हरे पौधे स्थापित करने तथा हल्दी से स्वास्तिक चिन्ह निर्मित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा श्री गणेश की कृपा से परिवार का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि संवर्धित होती रहती है।

सिम्पैथी से होम्योपैथी को असरकारी बनाते हैं डा. कैलाश सारस्वत

कितनी भी गंभीर हो बीमारी, कह देते हैं कोई बात नहीं, ठीक हो जाएगा

आदर्श चिकित्सक

- अपने परिचित को इन्हीं के पास भेजते हैं कई वर्ष पुराने मरीज भी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डाक्टर साहब, बहुत परेशान हैं। कई जगह दिखा लिया, आराम ही नहीं मिल रहा। अब आप ही कुछ करिए...। अच्छा, क्या-क्या दिक्कत है? कब से है? आदि आदि जानकारी के बाद ये कहना कि कोई घबराने वाली बात नहीं है। दवा ठीक से खाना, सब ठीक हो जाएगा। मरीज की पीड़ा को डाक्टर कैलाश सारस्वत के यही दो वाक्य शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी काफी हद तक कम देते हैं। इसी सिम्पैथी से वे होम्योपैथी को बेहद असरकारक बना देते हैं।

होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में डा. कैलाश सारस्वत आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। ये पहचान उन्हें अपनी काबिलियत के साथ ही अपने मृदु व्यवहार और मरीजों के प्रति सहानुभूति से मिली है। ढाकरान चौराहे से बिजलीघर मार्ग पर मोड़ पर एक छोटा से क्लीनिक से अपनी प्रैक्टिस शुरू करने वाले डाक्टर सारस्वत तब क्षेत्रीय लोगों के लिए मामूली बीमारी से लेकर गंभीर समस्या तक जीवनरक्षक की उम्मीद की किरण होते थे। क्लीनिक इतनी छोटी कि छोटी सी कुर्सी-मेज के पास ही मरीज के बैठने के लिए स्टूल जैसे-तैसे एडजस्ट हो पाता था। इस पर भी दवाखाना और प्रतीक्षारत मरीजों के बैठने के लिए मामूली बेंच। लेकिन, डाक्टर साहब पर इतना भरोसा कि भीषण गर्मी हो या कड़ाके की सर्दी या फिर बरसात में भीगते-भीगते आते मरीज। उन्हें दिखाने के बाद मरीजों के चेहरे पर संतुष्टि का सुखद भाव उभर आता था। और फीस, बस टोकन मनी समझ लीजिए।

सूर्यनगर में डा. सारस्वत ने जब अपना सुव्यवस्थित क्लीनिक खोला तो भी वर्षों तक अपने सदर भट्टी वाले इस क्लीनिक पर नियमित आते रहे। मरीज उनका इंतजार करते रहते थे। अब आवास विकास कालोनी क्षेत्र में एंथम के पास डा. सारस्वत होम्योपैथी क्लीनिक भी स्थापित कर लिया है। बेटा डा. श्रेय सारस्वत और पुत्रवधु डेंटल चिकित्सक रुचि सारस्वत भी यहां पर अपनी सेवा देने लगे हैं।

मरीज की पीड़ा ध्यान से सुनना

डा. कैलाश सारस्वत कहते हैं कि जो मरीज आपके पास आ रहा है, वो किसी उम्मीद में ही आता है। इसलिए हम उसकी पीड़ा को बहुत ही आत्मीयता से सुनते हैं। हमें पता होता है कि बीमारी की गंभीरता कितनी है लेकिन मरीज को इसका आभास नहीं कराते। क्योंकि शारीरिक कष्ट से ज्यादा बीमारी का मानसिक प्रभाव ज्यादा होता है। इसलिए, मरीज को ये आश्वस्त करते हैं कि दवा खाओ, सब ठीक हो जाएगा। और, ऐसा होता भी है। कई मरीज जो अन्य जगह से निराश हो गए थे, उनके ट्रीटमेंट से स्वस्थ हुए हैं। वे कहते हैं कि होम्योपैथी में हर बीमारी का उपचार है, वो भी दुष्प्रभावरहित। अभी वायरल का प्रकोप चल रहा है। वो कहते हैं कि होम्योपैथी में ऐसी-ऐसी औषधि हैं जो इस वायरल से निजात दिलाने में असरकारक हैं।

समाजसेवा में भी बेजोड़

डा. कैलाश सारस्वत कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं। इन संगठनों के कार्यक्रमों में पूरी सक्रियता से सहभागिता करते हैं। समाजसेवा में उनके समर्पण पर वे तमाम पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

गोवर्धन पहुंचे सपा नेता रामगोपाल, सरकार पर साधा निशाना

- देश का संचालन करने वालों को सद्बुद्धि की प्रार्थना
- हनुमान बाग आश्रम में पूजा-अर्चना के बाद भंडारे में शामिल हुए

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गोवर्धन।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव सोमवार को डीग रोड स्थित हनुमान बाग आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमान जी के दर्शन-पूजन के उपरांत भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और संत सियाराम दास से आशीर्वाद लिया। आश्रम में लाला और बाबा की 33वीं पुण्यतिथि महोत्सव के अवसर पर आयोजित भंडारे में साधु-संतों और ब्राह्मणों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है और वे हनुमान जी से प्रार्थना करते हैं कि देश का संचालन करने वालों को सद्बुद्धि मिले, ताकि वे देशहित में निर्णय लें। मुजफ्फरनगर के चर्चित अंकित बाल्यान हत्याकांड और उसके बाद हुए एनकाउंटर के मुद्दे पर उन्होंने यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को कमजोर बताते हुए उक्त एनकाउंटर को फर्जी करार दिया। सपा के पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) फामूर्ले पर भाजपा नेताओं की टिप्पणी का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए की ताकत को भलीभांति समझती है और इसी कारण उसके नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

इस अवसर पर चरण कौशिक, गिरधारी सेठ, गौरी शंकर, ठाकुर किशोर सिंह, सतीश ब्रजवासी, संत सुतीक्ष्ण महाराज, पूरन प्रकाश कौशिक, सियाराम शर्मा सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

भूपेश अग्रवाल बने श्री अग्रवाल सभा राया अध्यक्ष, स्वागत

टीएनएफ टुडे, राया। श्री अग्रवाल सभा के अध्यक्ष पद पर भूपेश अग्रवाल को मनोनीत किए जाने पर अग्रवाल समाज में हर्ष का माहौल है। श्यामलाल मदनलाल धर्मशाला में अग्रवाल समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रमेश अग्रवाल बजाज जी ने की। बैठक में समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठ सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने नवनियुक्त अध्यक्ष भूपेश अग्रवाल का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त अध्यक्ष भूपेश अग्रवाल ने समाज के वरिष्ठजनों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सभी लोगों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से संगठन को मजबूत बनाने तथा समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, शंकरलाल पंसारी, पवन अग्रवाल, अमित गर्ग, मन्नू अग्रवाल, मोहनलाल परचूनी, मुन्नालाल अग्रवाल, चंद्रमोहन अग्रवाल ,प्रदीप नसबार वाले, नीरज अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, राधेलाल कसेरा वाले, मोहन नारायण स्वामी, अमित गोयल, संदीप अग्रवाल, मनोज अग्रवाल एवं प्रभात अग्रवाल सहित समाज के अनेक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव का आयोजन 18 सितम्बर से

टीएनएफ टुडे, वृंदावन। संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति के बैनर तले श्री राधा अष्टमी पर्व पर दो दिवसीय संगीत एवं नृत्य महोत्सव का आयोजन 18 सितम्बर से किया जा रहा है। महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए समिति ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति द्वारा विगत करीब दो दशकों से अधिक समय से विराट संगीत एवं नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की अनंत गहराइयों से संगीत प्रेमियों को रूबरू कराने के उद्देश्य से समिति द्वारा ख्यातिलब्ध संगीत फनकारों के साथ उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है। इस वर्ष महोत्सव का आयोजन 18 एवं 19 सितम्बर को किया जा रहा है। महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए समिति द्वारा एक बैठक का आयोजन रविवार को केशव कुंज स्थित कार्यालय पर किया गया। जिसमें महोत्सव के व्यापक प्रचार प्रसार के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से युवा पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत से जोड़ने पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा संगीत प्रेमियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने सम्बन्धी कई बिंदुओं पर मंथन किया गया।

वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ मथुरा नगर का होली गेट

जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् के उद्घोष के साथ निकाली गई संस्कृत जागरूकता शोभायात्रा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

श्रावण पूर्णिमा विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत मथुरा नगर में भव्य संस्कृत जागरुकता शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में संस्कृत विद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं एवं संस्कृत शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर छात्रों ने जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् के गगनभेदी नारों से नगर के प्रमुख बाजारों को गुंजायमान किया। वहीं संस्कृत विद्यालय के विद्वान छात्रों द्वारा चारों वेदों का सस्वर पाठ कर होली गेट चौराहे को वेद ध्वनि से गुंजायमान किया गया। छात्र छात्राओं ने हाथों में संस्कृत ध्येय वाक्य लिखित तख्तियां ले रखी थी। संस्कृत जागरुकता शोभायात्रा में प्रमुख रुप से संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मंत्री डॉ धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यास सचिव गंगाधर अरोड़ा, विभाग संयोजक श्यामसुंदर शर्मा, मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर , प्रचार जप्रमुख रामदास चतुवेर्दी शास्त्री, हरस्वरुप यादव आदि ने छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मंत्री डॉ धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं न्यास सचिव गंगाधर अरोड़ा ने कहा कि संस्कृत भारती का मुख्य उद्देश्य है भारतवर्ष की भावी पीढ़ी को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता पैदा करना जिससे अपने देश की प्राचीन संस्कृति सभ्यता और संस्कारों को सुरक्षित रखा जा सके। मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा संस्कृत भाषा अब केवल पूजा पाठ तक सीमित नहीं है यह ज्ञान व विज्ञान की भाषा के रुप में विश्व के अनेक देशों में वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकार की जा रही है। शोभायात्रा के समापन पर विभाग संयोजक श्याम सुंदर शर्मा ने सभी को संस्कृत सप्ताह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया।

श्री कृष्ण जन्मभूमि पर लीला मंचन आज से

- शास्त्रीय परंपराओं एवं ब्रज भाव के अनुरूप तैयारियां पूरी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

श्रीकृष्ण-जन्मभूमि की परंपरागत कृष्ण-लीलाओं को शास्त्रीय परंपराओं, मयार्दाओं एवं ब्रज के भाव के अनुरूप संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियॉं अपनी पूर्णता की ओर हैं। योगेश्वर की लीलाओं का मंचन एक सितंबर से सायंकाल होगा। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा बताया कि अनन्त लीला पुरूषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य दिवस श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण-जन्मभूमि के सिद्ध लीलामंच पर आयोजित होने वाली परंपरागत श्रीकृष्ण लीला का आयोजन इस वर्ष ह्यश्रीकृष्ण लीला मण्डलह्ण जन्मस्थान के भावपूर्ण सहयोग से कराया जायेगा। रासलीलाओं का मंचन पूर्ण रूप से शास्त्रीय मयार्दाओं एवं रसिक बिहारी के भाव को धारण करते हुऐ होगा। ऐसी भावमय लीलाओं के लिए सुप्रसिद्ध रासाचार्य स्वामी श्री देवकीनन्दन महाराज के विशिष्ट मार्गदर्शन में उनकी मण्डली के द्वारा दर्शन कराया जायेगा। ह्यश्रीकृष्ण लीला मण्डलह्ण की कार्यकारिणी के सदस्य इन लीलाओं के आयोजन में पूर्ण भाव से लगे हुऐ हैं।

कौन सी लीला कब होगी श्रीकृष्ण-जन्मभूमि में आयोजित होने वाली इन सिद्ध कृष्ण लीलाओं के प्रथम दिन माखन-चोर लीला के दर्शन होंगे। माखन चोर लीला में श्रीठाकुरजी ने स्वयं अपने हाथों से ब्रजवासियों को माखन भोग प्रदान किया था। आज भी संतों की मान्यता है कि परंपरागत सिद्ध कृष्ण लीला में रसिक बिहारी से प्राप्त माखन प्रसाद श्रद्धा एवं भाव से गृहण करने से भगवती अन्नपूर्णा की विशेष कृपा होती है। बताया गया है कि प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुवेर्दी भी व्यवस्थाओं में लगे हुए हैं।

कोसी रामलीला संस्थान में अध्यक्ष पद पर फंसा पेंच, चुनाव स्थगित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

कोसीकलां स्थित श्री रामलीला संस्थान में अध्यक्ष पद का चुनाव टल गया है। भरत मिलाप चौक पर आयोजित चुनावी बैठक में 11 पंचों की पंचायत भी नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बना सकी, जिसके बाद चुनाव स्थगित कर नई तारीख पर कराने का फैसला लिया गया। कोसीकलां के भरत मिलाप चौक पर हनुमानजी के ध्वज तले पुलिस सुरक्षा के बीच श्री रामलीला संस्थान की चुनावी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पंडित विष्णु दत्त शर्मा ने की, जहां सबसे पहले निवर्तमान अध्यक्ष अजय मंगला और उनकी कार्यकारिणी ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इसके बाद नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। अध्यक्ष पद के लिए अजय वार्ष्णेय, सुरजीत चौधरी और गिर्राज चौधरी ने अपनी दावेदारी पेश की।

फतेहाबाद: छापेमारी कर 11 बिजली चोर पकड़े

फतेहाबाद। सोमवार तड़के विद्युत उपखंड अधिकारी गौरव राजपूत के नेतृत्व में कस्बा में बिजली विभाग की टीम ने हाई पोटेंशियल लॉसेज वाले क्षेत्रों में छापेमारी की। चेकिंग अभियान के चलते क्षेत्र के बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान विभाग ने विभिन्न जगहों पर बिजली आपूर्ति और मीटरों का निरीक्षण किया, जिसमें 11 उपभोक्ता सीधे मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते पकड़े गए। विद्युत विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 11 आरोपियों के विरुद्ध विद्युत चोरी निरोधक थाना, कमला नगर आगरा में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जांच में पकड़े गए आरोपियों में मुश्ताक खान पुत्र नूर मोहम्मद, सोनू पुत्र वासुदेव, भानू प्रताप सिंह पुत्र गुमान सिंह, जाविद अख्तर पुत्र सिराजुद्दीन, ईगम पुत्र वजीर खान, मुन्ना मोहम्मद पुत्र स्व.अली मोहम्मद, सोमवीर पुत्र हरीचंद, रामदास पुत्र नाहर सिंह, शिवशंकर पुत्र बधौरी, आरिफ पुत्र मोहम्मद खान, असीम पुत्र मोहम्मद खान शामिल हैं।

छापेमारी के दौरान उपखंड अधिकारी गौरव राजपूत, अवर अभियंता दीपक कुमार, रमेश बाबू , संजय तिवारी सहित आदि रहे। बिजली विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अधिकारियों ने कहा कि विद्युत चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

फतेहाबाद। अवर अभियंता निबोहरा रजनीश पाल कि सूचनानुसार मंगलवार को ग्राम जगराजपुर में रेलवे अंडरपास पर कार्य के चलते 33 केवी धिमिश्री लाइन से पोषित उपकेंद्र धिमिश्री, महाराजपुर, निबोहरा, 33 केवी रूपपुर से पोषित रूपपुर, भदौरा उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बाधित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि निर्धारित समय के दौरान आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें।

मधुपुरी के नाम से विख्यात रहा है मथुरा

श्री राम के सबसे छोटे भाई शत्रुघ्न ने राक्षस लवाणसुर का वध कर बसाई थी नगरी

हरी मोहन रावत

मथुरा। श्रीमद भागवत महापुराण में भी यह उल्लिखित है कि श्री राम के भाई शत्रुघ्न ने लवाणासुर का वध कर मथुरा नगर पर शासन किया। इसे पुरातन में मधुपुरी के नाम से जाना जाता रहा है। वैदिक काल में में यह राजा उग्रसेन को गद्दी से हटाकर श्री कृष्ण के मामा कंस ने सत्ता हथियाई और वासुदेव एवं देवकी पर जल्म ढहाए।

इतना सब्र नहीं हुआ देवकी की होने वाली औलाद कंस का वध करेगा की पूर्व घोषणा ने उसे और अत्याचारी बना दिया। अपने बहिन सहित वासुदेव को बंदीग्रह में डाल दिया, यहीं जन्म हुआ श्री कृष्ण भगवान का। घरघोर बरसात भादों की अष्ठमी की आधी रात को योगमाया के बल से जन्म लेते ही लाला कृष्ण गोकुल नंद के घर जा पहुंचे। मथुरा को श्रीकृष्ण जन्म भूमि एवं लीला भूमि के नाम से भी जाना जाता है।

मथुरा संग्रहालय, बरसाना की छतरियाँ, यमुना नदी के किनारे विश्राम घाट, मथुरा का एक प्राचीन मंदिर, श्री रंगाजी मंदिर, कृष्ण मंदिर और नाम योग साघना मंदिर के आगे की पुरानी सड़क अब लुप्त हो गई हैं।

ऐतिहासिक रूप से कुषाण राजवंश द्वारा राजधानी के रूप में विकसित नगर है। भारतीय धर्म, दर्शन कला एवं साहित्य के निर्माण तथा विकास में मथुरा का महत्त्वपूर्ण योगदान सदा से रहा है। आज भी महाकवि सूरदास, संगीत के आचार्य स्वामी हरिदास, स्वामी दयानंद के गुरु स्वामी विरजानंद, चैतन्य महाप्रभु आदि से इस नगरी का नाम जुड़ा हुआ है।

पुराण के अनुसार शूरसेन देश की यहाँ राजधानी थी। पौराणिक साहित्य में मथुरा को अनेक नामों से संबोधित किया गया है जैसे- शूरसेन नगरी, मधुपुरी, मधुनगरी, मधुरा आदि।

मथुरा के चारों ओर भगवान शिव के चार प्रमुख मंदिर बताए जाते हैं पूर्व दिशा में पिपलेश्वर महादेव मंदिर, दक्षिण में रंगेश्वर महादेव मंदिर, उत्तर में गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर और पश्चिम में भूतेश्वर स्थित हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को मथुरा का कोतवाल कहा जाता है। मथुरा को आदि वाराह भूतेश्वर क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है। वाराह जी की गली में नीलवाराह और श्वेतवाराह के प्राचीन मंदिर स्थित हैं।

मान्यता है कि श्रीकृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ ने श्री केशवदेव मंदिर की स्थापना कराई थी। बाद में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर उसके स्थान पर मस्जिद का निर्माण कराया गया। वर्तमान में उसी क्षेत्र के पीछे नया केशवदेव मंदिर स्थित है। प्राचीन स्थल को केशव कटरा कहा जाता है। यहाँ हुई खुदाई में कई ऐतिहासिक वस्तुएँ प्राप्त हुई थीं।

मथुरा के कंकाली टीला को भी महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल माना जाता है। यहाँ कंकाली देवी का मंदिर स्थित है। खुदाई में यहाँ से जैन धर्म से जुड़ी अनेक प्राचीन मूर्तियाँ और अवशेष मिले थे। कुछ मान्यताओं के अनुसार कंकाली देवी को वही देवी माना जाता है जिन्हें कंस ने देवकी की कन्या समझकर मारने का प्रयास किया था।

पोतराकुंड के पास श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र स्थित है, जहाँ वासुदेव और देवकी की मूर्तियाँ स्थापित हैं। इस क्षेत्र को मल्लपुरा भी कहा जाता है। मान्यता है कि यहाँ प्राचीन समय में कंस के प्रसिद्ध मल्ल चाणूर और मुष्टिक रहते थे।

मथुरा का द्वारकाधीश मंदिर शहर के प्रमुख मंदिरों में गिना जाता है। इसके अलावा गोविंद देव मंदिर, मदनमोहन मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, राधेश्याम मंदिर और दाऊजी मंदिर भी श्रद्धालुओं के प्रमुख आकर्षण हैं।

चौहानों की ऐतिहासिक मैनपुरी को 'धरतीपुत्र' मुलायम ने दिया आधुनिक जीवन

ऋषि दुवे, ब्यूरो चीफ मैनपुरी

मैनपुरी। इतिहास के पन्नों को पलटें तो मैनपुरी की पहचान सदियों से प्रतापी चौहान राजाओं की शौर्य भूमि के रूप में रही है। महाराजा तेज सिंह चौहान जैसे योद्धाओं ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंककर इस माटी को अमर कर दिया था। लेकिन आजादी के बाद, वक्त की धूल में यह ऐतिहासिक जिला बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसता रहा। सालों तक यह क्षेत्र केवल राजपूतों और यादवों के पुराने सामाजिक और राजनीतिक द्वंद्व का केंद्र बना रहा। फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति के फलक पर उदय हुआ 'नेताजी' यानी मुलायम सिंह यादव का। उन्होंने न केवल चौहानों की इस पारंपरिक गढ़ वाली राजनीतिक विरासत को बदला, बल्कि मैनपुरी को आधुनिक विकास का ऐसा चमकता हुआ चेहरा दिया जिसने इस जिले की तकदीर बदल दी।]

साल 1996 में जब मुलायम सिंह यादव ने पहली बार मैनपुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, तो चुनावी मैदान में उनके सामने भाजपा के उपदेश सिंह चौहान थे। उस दौर में इसे जातिगत संप्रभुता की लड़ाई के तौर पर देखा जा रहा था। लेकिन जब चुनाव के नतीजे आए, तो नेताजी की आंधी में विरोधियों की जमानतें जब्त हो गईं। उन्होंने उपदेश सिंह चौहान को करीब 52 हजार वोटों से मात देकर दिल्ली का रास्ता तय किया और देश के रक्षा मंत्री बने। वह जीत सिर्फ एक राजनीतिक बदलाव नहीं थी, बल्कि मैनपुरी के आधुनिक इतिहास का टर्निंग पॉइंट थी। उसके बाद से यह जिला समाजवादियों का अभेद्य किला बन गया।

ब्यूरो प्रमुख के रूप में मैंने इस क्षेत्र को बेहद करीब से बदलते देखा है। 2003 से पहले, मैनपुरी में सड़कों के नाम पर गड्ढे थे और तहसीलों तक पहुंचना एक जंग जीतने जैसा था। मुख्यमंत्री बनने के बाद मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी के विकास के दरवाजे पूरी तरह से खोल दिए। उन्होंने मैनपुरी से करहल, किशनी, कुरावली और भोगांव को जोड़ने वाली सड़कों का ऐसा जाल बिछाया कि व्यापार और आवागमन की पूरी तस्वीर ही बदल गई। आधुनिक बस स्टैंड, किसानों के लिए अनाज मंडियां, और युवाओं के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज जैसी सौगातें नेताजी की ही देन हैं। नेताजी का मैनपुरी से जुड़ाव सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि गहरा भावनात्मक था। वह हर वर्ग, चाहे वह अहीर हो, चौहान हो, या शाक्य–सबको अपने साथ लेकर चले। यही वजह है कि साल 2019 के अपने आखिरी चुनाव में, जब वह अस्वस्थ थे और सिर्फ नामांकन करने आए थे, तब भी मैनपुरी की जनता ने उन्हें ऐतिहासिक मतों से जिताया।

आज भले ही नेताजी हमारे बीच नहीं हैं, और मैनपुरी का प्रतिनिधित्व उनकी बहू डिंपल यादव कर रही हैं, लेकिन इस शहर की हर चमचमाती सड़क, हर कॉलेज और हर विकास कार्य में मुलायम सिंह यादव के विजन की छाप साफ दिखाई देती है। चौहानों के शौर्य के इतिहास से सजी मैनपुरी को आधुनिक विकास से चमकाने का श्रेय निर्विवाद रूप से 'धरतीपुत्र' मुलायम सिंह यादव को ही जाता है।

बिजली का तार टूटने के विवाद में ट्रक क्लीनर की गोली मारकर हत्या

■ बाइक सवार तीन हमलावरों ने एक किमी तक किया ट्रक का पीछा, दो राउंड फायरिंग में चालक भी घायल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

बिजली का तार टूटने को लेकर हुए विवाद में रविवार रात बाइक सवार हमलावरों ने ट्रक क्लीनर की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने करीब एक किलोमीटर तक ट्रक का पीछा करने के बाद उसे रास्ते में रोक लिया। ट्रक चालक और क्लीनर को नीचे खींचने का प्रयास किया। विरोध करने पर हमलावरों ने दो राउंड फायरिंग कर दी। गोली लगने से क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

घटना एलाऊ थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। कुर्रा थाना क्षेत्र के जोराई गांव निवासी सुभाष कुमार (22) रविवार शाम ट्रक चालक कुलदीप कुमार (26) के साथ ट्रक लेकर बेवर की ओर जा रहा था। बताया गया है कि अघार गांव के पास ट्रक से बिजली की केबल टूट गई। चालक को इसका पता नहीं चला और वह ट्रक लेकर आगे निकल गया।

ट्रक के आगे मेज रखकर रोकाप बताया गया कि करीब एक किलोमीटर आगे संतोष नगर स्थित ठेके के सामने कुछ लोगों ने ट्रक के आगे मेज रखकर उसे रोक लिया। ट्रक रुकते ही बाइक सवार तीन हमलावरों ने चालक और क्लीनर से गाली-गलौज शुरू कर दी। दोनों को ट्रक से नीचे उतारने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर हमलावरों ने फायरिंग कर दी।

एक गोली क्लीनर सुभाष कुमार के सिर में लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी गोली ट्रक चालक कुलदीप कुमार के हाथ में लगी।

घायल चालक ट्रक लेकर भागा, गोली लगने के बावजूद चालक ने ट्रक को आगे बढ़ा दिया। करीब 500 मीटर आगे जाकर ट्रक अनियंत्रित होकर रुक गया। इस दौरान ट्रक में लदी सोलर प्लेटें सड़क पर बिखर गईं। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

पुलिस हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया ट्रक से बिजली का तार टूटने के बाद हुए विवाद में फायरिंग की बात सामने आई है। मामले की जांच की जा रही है।

मैनपुरी में 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत आयोजित हुआ बहू-बेटी सम्मेलन

■ महिलाओं को दी गई सुरक्षा व अधिकारों की जानकारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

मैनपुरी के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कैलाश आश्रम चौकी पर आज शासन द्वारा चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान फेज-5 के अंतर्गत एक विशेष बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सशक्त बनाना था।

सम्मेलन के दौरान कैलाश आश्रम चौकी प्रभारी रवेंद्र पाल और उप निरीक्षक पूनम चौधरी ने अपनी पुलिस टीम के साथ उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, घरेलू हिंसा और साइबर अपराध जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने आपातकालीन स्थितियों में तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे महिला पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के उपयोग के तौर-तरीकों को समझाया। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी और स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप निरीक्षक पूनम चौधरी ने महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में डरे नहीं, बल्कि निडर होकर पुलिस की मदद लें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस हर समय उनकी सहायता के लिए पूरी तरह तत्पर है। इस जागरूकता कार्यक्रम में थाना कोतवाली पुलिस टीम के साथ-साथ अमृता चौहान और क्षेत्र की तमाम महिलाएं व बालिकाएं भारी संख्या में मौजूद रहीं।

विकास को तरस रहे करहल के बाशिंदे, 15 दिन से सड़क पर भरा पानी

■ सड़क निर्माण की मांग को लेकर विधायक तेज प्रताप यादव और एमएलसी मुकुल यादव से लगाई गुहार, बोले–प्रधान से कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, करहल।

नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर लोगों की समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। करहल के मैनपुरी रोड स्थित नगला अनूप में पावर ट्रैक्टर एजेंसी के सामने, बैंक ऑफ इंडिया के प्वाइंट के बगल वाली सड़क के पीछे स्थित मार्ग पर पिछले करीब 15 दिनों से जलभराव की समस्या बनी हुई है। सड़क पर पानी भरा होने के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जलभराव के चलते आसपास बने मकानों को भी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय बाशिंदों का कहना है कि सड़क की हालत काफी खराब है और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़क पर ही जमा हो जाता है। करीब 15 दिनों से पानी भरा होने के कारण सड़क दलदल में तब्दील हो गई है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। पानी और कीचड़ के कारण बच्चों का स्कूल जाना तक मुश्किल हो गया है।

लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण और जलभराव की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं कराया गया। लंबे समय से पानी भरा होने के कारण मकानों की नींव कमजोर होने लगी है। स्थानीय लोगों के अनुसार बीटू यादव के मकान में जलभराव के चलते काफी नुकसान हो रहा है और मकान में चटकने की स्थिति भी सामने आ रही है।

समस्या से परेशान लोगों ने अब करहल विधायक तेज प्रताप यादव और विधान परिषद सदस्य मुकुल यादव से सड़क का निर्माण कराने तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की गुहार लगाई है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही पानी की निकासी और सड़क निर्माण की व्यवस्था नहीं की गई तो मकानों को और अधिक नुकसान हो सकता है।

क्या बोले स्थानीय लोग

अंकित यादव ने कहा कि सड़क पर करीब 15 दिन से पानी भरा हुआ है। कई बार जिम्मेदार लोगों से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। पानी और कीचड़ के कारण बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी हो रही है। विधायक और एमएलसी से मांग है कि जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए।

राकेश ने कहा कि जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल है। कई बार शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मामले का संज्ञान लेकर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

करू यादव ने कहा कि लंबे समय से सड़क की समस्या बनी हुई है। पानी लगातार जमा रहने से मकानों की नींव कमजोर होने का खतरा है। बीटू यादव के मकान को भी नुकसान हो रहा है। लोगों की मांग है कि सड़क का निर्माण कराकर जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए।

सड़क निर्माण की मांग करने वालों में बीटू यादव, अंकित यादव, अरविंद यादव, सोनू यादव, सनी यादव, करू यादव, महेश चंद्र, धर्मवीर सिंह, सौरभ और विश्राम सिंह सहित अन्य स्थानीय लोग शामिल हैं।

81 अभियोगों से संबंधित 86 माल मुकदमाती का निस्तारण, नियमानुसार कराई गई वीडियोग्राफी

फिरोजाबाद। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे माल निस्तारण अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे के निर्देशन में थाना एका पुलिस द्वारा विभिन्न अभियोगों से संबंधित माल मुकदमाती के निस्तारण की कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जसराना के कुशल नेतृत्व में सोमवार, 31 अगस्त 2026 को थाना एका पर विभिन्न धाराओं में पंजीकृत कुल 81 अभियोगों से संबंधित 86 माल मुकदमाती का नियमानुसार निस्तारण कराया गया। यह कार्रवाई माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, फिरोजाबाद के आदेश के अनुपालन में गठित टीम की देखरेख में संपन्न हुई। गठित टीम में क्षेत्राधिकारी जसराना, नायब तहसीलदार जसराना, प्रभारी निरीक्षक थाना एका तथा मालखाना हेड मोहर्रिर नरेन्द्र सिंह शामिल रहे। माल मुकदमाती के निस्तारण की पूरी प्रक्रिया नियमानुसार संपन्न कराते हुए उसकी वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी कराई गई, ताकि कार्रवाई में पारदर्शिता एवं नियमानुसार प्रक्रिया का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

मानव शक्ति पार्टी ने जनसमस्याओं को लेकर सिरसागंज तहसील में दिया ज्ञापन, उठाई 5 सूत्रीय मांगें

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सिरसागंज।

मानव शक्ति पार्टी के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक यादव के नेतृत्व में सोमवार को सिरसागंज तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ पाठक के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मानव शक्ति पार्टी के कार्यकताओं ने तहसील परिसर में जोरदार नारेबाजी करते हुए आम जनमानस से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक यादव ने प्रदेश सरकार की नीतियों और वर्तमान व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। ?राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक यादव ने कहा कि

"पूरे प्रदेश में हमारी पार्टी का 5 सूत्रीय ज्ञापन अभियान चल रहा है। आज फिरोजाबाद की सभी पांचों तहसीलों में ज्ञापन दिया जा रहा है, जिसके बाद प्रदेश के सभी जिलों में यह आंदोलन चलेगा। प्राथमिक शिक्षा का स्तर बेहद गिर चुका है, शिक्षक न होने से पढ़ाई ठप है और जर्जर विद्यालयों की छतें व प्लास्टर गिर रहे हैं। किसान खाद (ऊअढ व यूरिया) के लिए लाइनों में लगकर जान गंवा रहे हैं, इसलिए खाद खुले बाजार में उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में लाखों सरकारी पद खाली हैं, जिन्हें विशेष अभियान चलाकर तुरंत भरा जाए ताकि युवाओं को रोजगार मिले। आसमान छूती महंगाई से आम जनता और मध्यम वर्ग त्रस्त है, वहीं अपराधों की जननी 'शराब' पर पूर्ण प्रतिबंध (शराबबंदी) लगाई जाए और बंद किए गए 26,000 सरकारी विद्यालयों को दोबारा चालू किया जाए।

ज्ञापन की 5 प्रमुख मांगें:

प्रदेश में गिरते शिक्षा स्तर में सुधार एवं प्राथमिक विद्यालयों की जर्जर इमारतों की तत्काल मरम्मत।

"सफलता की कहानी" संघर्ष से स्वावलंबन की ओर, हेमलता रावत बनी मिसाल

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के मिशन शक्ति अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अब स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही है, जनपद के ब्लॉक टूंडला (ग्राम बसई) की निवासी हेमलता रावत की जीवन यात्रा इसका एक प्रतिष्ठ और प्रेरणादायी उदाहरण है। उच्च शिक्षित हेमलता रावत के जीवन में वर्ष 2022 में उस समय बड़ा संकट आया, जब उनके पति मान्सिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण अचानक लापता हो गए, दो मासूम बेटियों के पालन–पोषण और पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी हेमलता के कंधों पर आ गई, इन विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए मजबूती से खड़ी रही 26 जनवरी 2020 में हेमलता राजकीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी और जय बजरंगबली स्वयं सहायता समूह की सदस्य बनी।

अधिकारियों ने छात्राओं से साझा किए सफलता के मंत्र , दी गई जानकारियां

शिकोहाबाद। बीडीएम म्यू. इंटर कॉलेज में सोमवार को ह्य सफलता का मार्ग अधिकारियों के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) शत्रोहन वैश्य, विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडे ने कार्यक्रम में मौजूद 150 छात्राओं को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इस दौरान 32 अन्य कॉलेजों के लगभग 4 हजार बच्चे ऑनलाइन रूप से जुड़े। इस मौके पर सीडीओ शत्रोहन वैश्य ने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए अनुशासन, समय का सदुपयोग और सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास बनाए रखें और असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ें। जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडे ने छात्राओं को शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर का लक्ष्य तय करें और उसे प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करें। उन्होंने उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में उपलब्ध अवसरों के बारे में भी जानकारी दी। इससे पहले विद्यालय की प्रिंसीपल तथा अन्य शिक्षिकाओं ने अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्रधानाचार्या नीरा माथुर ने सीडीओ और डीआईओएस का आभार व्यक्त किया । इस मौके पर शिक्षिका सरिता यादव, शोभा यादव, आयशा खातून, नीरू यादव, सुदीप शर्मा, पंकज कुमार, हेमलता यादव आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन सट्टा चलाने वालो की लिस्ट हुई सोशलमीडिया पर वायरल, मचा हड़कंप

शिकोहाबाद। नगर में अब तक चल रहे चोरी छिपे सट्टे के बाद अब ऑनलाइन सट्टे का कारोबार फलने फूलने की बात सामने आ रही है। इसको लेकर अब दो दिन से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी खूब वायरल हो रही है, जिसमें ऑनलाइन सट्टा चलने, उससे जुड़े लोगों के नाम वायरल किया गए है। साथ ही कुछ लोगों के संरक्षण होने की बात भी कही गई है। कुछ लोग इसके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई को सट्टे में बर्बाद कर रहे हैं । पुलिस ने कुछ माह पूर्व पर्ची से सट्टा चलाने वालों के खिलाफ एक अभियान चलाकर सट्टे की कमर तोड़कर रख दी थी। पुलिस ने शिकोहाबाद शहर के कुछ सट्टाकिंगों को जेल भी भेज दिया था, जिसके बाद सट्टा पर कुछ अंकुश लगा था, लेकिन एक बार फिर से अब ऑनलाइन सट्टे का कारोबार आरम्भ होने की बात सोशल मीडिया पर कही जा रही है , जो पुलिस के लिए भी सिर दर्द बनने वाला है। इधर ऑनलाइन सट्टे का काम करने वालों की एक सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो गई । एक दर्जन से अधिक सट्टेबाजों की सूची वायरल होते ही सट्टे के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया । लोगों का कहना है कि जब से पुलिस ने मुठभेड़ में सटोरियों को जेल भेजा है तब से सट्टेबाजों ने ऑनलाइन सट्टे का काम शुरू कर दिया है जिससे पुलिस के द्वारा पकड़े जाने की संभावना कम है। लोगों का कहना है कि सट्टे को चलाने वाले मुख्य लोगों तथा उनको संरक्षण देने वालों पर भी कार्यवाही अमल में लाई जाए । इस बारे में पुलिस के एक अधिकारी का कहना है कि वह वायरल हुई सट्टेबाजों तथा उससे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी कर रहे हैं। साथ ही इन लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। नगर क्षेत्र में सट्टा नहीं चलने दिया जाएगा ।

बिन कांच और मंदिर अधूरा फिरोजाबाद

अखिलेश सक्सेना, ब्यूरो चीफ

फिरोजाबाद की पहचान अधूरी है यदि हम इसके कांच उद्योग या इसके जैन मंदिरों में से किसी एक को भी छोड़ दें। जहाँ एक ओर यहाँ की भट्टियों से निकलने वाला पिघला हुआ कांच दुनिया को रंग और रोशनी देता है, वहीं दूसरी ओर यहाँ के जैन मंदिर लोगों को शांति, अहिंसा और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाते हैं। कला और धर्म का यह अनूठा ताना-बाना फिरोजाबाद को उत्तर प्रदेश का एक बेहद महत्वपूर्ण और गौरवशाली शहर बनाता है।

फिरोजाबाद का कांच उद्योग

कला और आजीविका का संगमफिरोजाबाद का कांच उद्योग यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और शहर की आधी से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़ी हुई है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

फिरोजाबाद में कांच निर्माण की परंपरा मुगल काल (16वीं शताब्दी) से चली आ रही है। शुरूआत में यहाँ आक्रमणकारियों द्वारा लाए गए कांच के बर्तनों को पिघलाकर (पारंपरिक 'भैंसा भट्टी' में) छोटी चूड़ियाँ और बोतलें बनाई जाती थीं। ब्रिटिश काल और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इस उद्योग का तेजी से आधुनिकीकरण और विस्तार हुआ।

चूड़ियों की 'सुहाग नगरी'

यह शहर पूरी दुनिया में कांच की रंग–बिरंगी चूड़ियों का सबसे बड़ा उत्पादक है। भारतीय संस्कृति में यहाँ की चूड़ियाँ सौभाग्य और सुहाग का प्रतीक मानी जाती हैं। यहाँ की चूड़ियाँ अपने बेहतरीन रंगों, नक्काशी और चमक के लिए जानी जाती हैं।

विविध उत्पाद और वैश्विक निर्यात

आज फिरोजाबाद केवल चूड़ियों तक सीमित नहीं है। यहाँ अत्याधुनिक फैक्ट्रियों में कांच के उत्कृष्ट झूमर , लैंप, सजावटी सामान, रसोई के बर्तन, प्रयोगशाला के उपकरण और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए ग्लास बनाए जाते हैं। सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' (योजना के तहत यहाँ के कांच उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिला है, और आज यहाँ से उत्पाद 100 से अधिक देशों में निर्यात किए जाते हैं।

फिरोजाबाद का जैन मंदिर

आस्था और वास्तुकला के केंद्रकांच की चमक के साथ–साथ फिरोजाबाद की धरती अध्यात्म और जैन संस्कृति के रंगों से भी सराबोर है। इस क्षेत्र का प्राचीन इतिहास चंद्रवार (चंद्रवाड़) से जुड़ा है, जो प्राचीन काल में जैन संस्कृति का एक समृद्ध गढ़ था।

सेठ छदामीलाल जैन मंदिर

आगरा रोड पर स्थित यह मंदिर फिरोजाबाद जिला प्रशासन के अनुसार शहर के सबसे प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों में से एक है। इस भव्य सफेद संगमरमर के मंदिर की स्थापना स्वर्गीय सेठ छदामीलाल जैन द्वारा की गई थी।

भगवान बाहुबली की विशाल प्रतिमा

इस मंदिर परिसर में 2 मई 1976 को भगवान बाहुबली की 45 फीट ऊँची और 12 फीट चौड़ी विशाल प्रतिमा स्थापित की गई थी। लगभग 130 टन वजनी यह प्रतिमा उत्तर भारत की सबसे ऊँची और भव्य जैन प्रतिमाओं में से एक है, जिसे देखने देश–विदेश से श्रद्धालु आते हैं। मंदिर के मुख्य हॉल में भगवान महावीर की पद्मासन मुद्रा में बेहद सुंदर मूर्ति विराजमान है।

चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर (सदर बाजार)

शहर के मध्य स्थित यह मंदिर लगभग 300 वर्ष पुराना है। इतिहास के अनुसार, मोहम्मद गोरी के आक्रमण के समय यहाँ की मूल प्रतिमा को सुरक्षित रखने के लिए यमुना नदी में प्रवाहित कर दिया गया था, जो बाद में एक माली को सपने में दिखी और उसे वापस निकाला गया। इस मंदिर में भगवान चंद्रप्रभु की अत्यंत चमत्कारी स्फटिक (Quartz) की प्राचीन प्रतिमा स्थापित है।

कांच का जैन मंदिर

फिरोजाबाद की दोनों पहचानों का एक अनूठा समागम यहाँ के जैन कांच मंदिर में देखने को मिलता है। इस मंदिर के अंदरूनी हिस्से को रंग–बिरंगे कांच के टुकड़ों, झूमरों और नक्काशीदार कांच की कलाकृतियों से बेहद खूबसूरती से सजाया गया है, जो जैन तीर्थंकरों की गाथाओं को प्रदर्शित करते हैं।

अन्य तीर्थ क्षेत्र

फिरोजाबाद जिले के अंतर्गत आने वाला मर्सलगंज (ऋषभ नगर) दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र भी एक प्राचीन और पवित्र स्थल है, जहाँ प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की चमत्कारी प्रतिमा विराजमान है।फिरोजाबाद के इन ऐतिहासिक जैन मंदिरों की भव्यता और उनके पीछे की प्राचीन कथाओं को विस्तार से समझने के लिए आप इस वीडियो गाइड को देख सकते हैं।

ताला और ज्ञान माला वाला शहर अलीगढ़

भुवनेश शर्मा, ब्यूरो चीफ अलीगढ़

अलीगढ़ एक ऐसा शहर है जो एक तरफ अपने तालों से घरों और संपत्तियों को सुरक्षित रखता है, तो दूसरी तरफ अटव के माध्यम से युवाओं के भविष्य को शिक्षा की रोशनी से सुरक्षित करता है। सही मायनों में, हुनर और इल्म (ज्ञान) का यह संगम ही अलीगढ़ को दुनिया भर में खास बनाता है।

उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक शहर अलीगढ़ पूरी दुनिया में अपनी दो खास पहचान के लिए मशहूर है–पहला यहाँ का ताला उद्योग और दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू)। इन दोनों वजहों से इस शहर को एक अनोखी सांस्कृतिक और औद्योगिक पहचान मिली है।

ताला नगरी

अलीगढ़ का ताला उद्योगअलीगढ़ को भारत की ₹ताला नगरी₹ कहा जाता है। यहाँ ताले बनाने का इतिहास सदियों पुराना है, जिसकी शुरूआत मुगल काल और ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी।

घरेलू और वैश्विक बाजार

अलीगढ़ के छोटे-बड़े कारखानों में बनने वाले ताले न केवल पूरे भारत में सुरक्षा की गारंटी देते हैं, बल्कि इन्हें दुनिया के कई देशों में निर्यात भी किया जाता है।

रोजगार का साधन

इस उद्योग से शहर और आसपास के लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। यहाँ साधारण तालों से लेकर अत्याधुनिक सुरक्षा वाले पीतल के ताले, पैडलॉक और डिजिटल सुरक्षा उपकरण बनते हैं।

जीआई टैग

अलीगढ़ के तालों को उनकी विशिष्ट गुणवत्ता और पारंपरिक कला के कारण भौगोलिक संकेतक (GI Tag) भी प्राप्त है, जो इसकी मौलिकता को प्रमाणित करता है।

शिक्षा का केंद्र: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय

अलीगढ़ की दूसरी और सबसे बड़ी सांस्कृतिक पहचान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से है। यह केवल एक यूनिवर्सिटी नहीं, बल्कि आधुनिक शिक्षा और सामाजिक सुधार का एक बड़ा आंदोलन रहा है। इसकी स्थापना महान शिक्षाविद् और समाज सुधारक सर सैयद अहमद खान ने 1875 में 'मोहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज' के रूप में की थी। साल 1920 में इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिला। एएमयू ने दुनिया भर को महान राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, वैज्ञानिक, लेखक और खिलाड़ी दिए हैं। यहाँ की वास्तुकला, विशाल परिसर और 'मौलाना आजाद लाइब्रेरी' पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

गंगा-जमुनी तहजीब

यह विश्वविद्यालय भारत की मिली-जुली संस्कृति (गंगा-जमुनी तहजीब) का एक बेहतरीन उदाहरण है, जहाँ हर पृष्ठभूमि के छात्र शिक्षा प्राप्त करते हैं।

विरासत एवं स्वाद की नगरी हाथरस

हाथरस एक ऐसा शहर है जो हँसना भी जानता है और जिंदगी का स्वाद बढ़ाना भी। काका की कविताएं और यहां के घी-हींग की महक इस बात का सबूत हैं कि जड़ें कितनी भी पुरानी क्यों न हों, अगर उनमें शुद्धता और अपनापन हो, तो उनकी खुशबू कभी कम नहीं होती। जरूरत बस इस बात की है कि हम अपनी इस अनमोल विरासत को अगली पीढ़ी के लिए और अधिक मजबूती से सहेज कर रखें।

हाथरस, टीएनएफ टुडे ब्यूरो।

काका की हास्य-फुहारों और हींग-घी की खुशबू से महकता शहर हाथरस। उत्तर प्रदेश का दिल कहे जाने वाले ब्रज क्षेत्र में बसा हाथरस सिर्फ एक भौगोलिक जिला नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और व्यापारिक विरासत का एक अनूठा संगम है। जब भी इस मिट्टी की बात होती है, तो जुबां पर अपने आप काका हाथरसी के लजीज व्यंग्य और खाने में स्वाद घोल देने वाले यहाँ के शुद्ध देशी घी और हींग का नाम आ जाता है। आज के इस विशेष लेख में हम हाथरस की इसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान की पड़ताल कर रहे हैं।

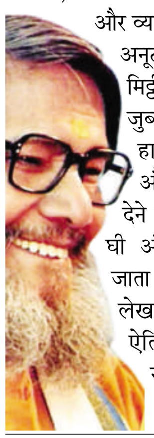

काका हाथरसी

जिन्होंने लपेटे में लिया जमाना और चमकाया हाथरस का नामहाथरस की पहचान यहाँ के महान हास्य कवि काका हाथरसी (मूल नामः प्रभु लाल गर्ग) के बिना अधूरी है। उन्होंने अपनी सादगी और धारदार व्यंग्य से न केवल हिंदी साहित्य को समृद्ध किया, बल्कि अपने नाम के पीछे 'हाथरसी' लगाकर इस छोटे से शहर को अंतरराष्ट्रीय पटल पर स्थापित कर दिया। काका ने आम आदमी के दर्द, भ्रष्टाचार और सामाजिक कुरीतियों पर जिस बेबाकी से हँसाते हुए चोट की, उसकी मिसाल आज भी मिलना मुश्किल है। उनकी पंक्तियाँ आज भी समाज का आईना हैं। हाथरस की हवाओं में आज भी काका की वह हास्य-फुहारें महसूस की जा सकती हैं, जो किसी भी उदास चेहरे पर मुस्कान बिखेरने की ताकत रखती हैं।

स्वाद और सुगंध का वैश्विक केंद्र

हींग और देशी घीसाहित्यिक पहचान से इतर, हाथरस का आर्थिक और व्यापारिक ताना-बाना यहाँ के देशी घी और हींग उद्योग से जुड़ा हुआ है।

शुद्धता का प्रतीक देशी घी

हाथरस का देशी घी अपनी बेहतरीन गुणवत्ता, दानेदार बनावट और बेजोड़ खुशबू के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मांग में रहता है। यहाँ के घी का पारंपरिक स्वाद आज के मिलावटी दौर में भी अपनी शुद्धता की साख बचाए हुए है।

मसालों की रानी 'हींग'

हाथरस को भारत की 'हींग राजधानी' कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। कच्चा माल भले ही विदेशों (जैसे अफगानिस्तान) से आता हो, लेकिन उसे प्रोसेस करके, विभिन्न श्रेणियों में तैयार करने का जो हुनर हाथरस के कारीगरों के पास है, वह दुनिया में कहीं नहीं है। यहाँ की हींग की खुशबू देश के कोने-कोने के रसोईघरों का स्वाद बढ़ा रही है।

ब्यूरो चीफ की नजर से

चुनौतियाँ और संभावनाएंआज एक ओर जहाँ हाथरस अपनी इस विरासत पर गर्व करता है, वहीं दूसरी ओर बदलते दौर में इन उद्योगों को आधुनिकता और सरकारी प्रोत्साहन की सख्त दरकार है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के तहत हींग उद्योग को नई ऊर्जा तो मिली है, लेकिन स्थानीय व्यापारियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए बुनियादी ढाँचे और पैकेजिंग तकनीकों में और सुधार की आवश्यकता है। साथ ही, काका हाथरसी की यादों और साहित्य को सहेजने के लिए शहर में एक भव्य शोध संस्थान या सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना वक्त की मांग है।

जनसंघ के संस्थापक सदस्य डॉ. प्रसादीलाल कश्यप के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

टीएनएफ टुडे, अलीगंज।

कस्बे के वरिष्ठ समाजसेवी एवं जनसंघ-भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे डॉ. प्रसादी लाल कश्यप के निधन पर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने उनके मोहल्ला गोविंददास स्थित आवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। नेताओं ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री कैलाश राजपूत, फरुर्खाबाद सांसद मुकेश राजपूत, क्षेत्रीय विधायक ठाकुर सतपाल सिंह राठौड़ समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता डॉ. कश्यप के आवास पर पहुंचे। सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और परिवार के सदस्यों से मिलकर संवेदनाएं प्रकट कीं।

बताया कि डॉ. प्रसादी लाल कश्यप करीब 100 वर्ष के थे। वह जनसंघ के दौर से ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रभावित रहे। उन्होंने संगठन के विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई और ह्यएक संविधान, एक विधानह्न के आंदोलन से भी जुड़े रहे। उनके निधन को भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

उनके पुत्र डॉ. अर्जुन सिंह हैं भाजपा के जिला उपाध्यक्ष

भाजपा की संस्थापक सदस्य डॉ प्रसादी लाल कश्यप के पुत्र डॉ अर्जुन सिंह भी वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के जिला संगठन में उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए पार्टी को सेवाएं दे रहे हैं। पिता की विरासत को आगे बढ़ाने में उनकी अहम भूमिका है।

अफसर गुजरते रहे....कीचड़ में बचपन चलता रहा

- पांच साल से बदहाल बरौना की पीडब्ल्यूडी सड़क
- स्कूल के सामने जलभराव, बाढ़ में राहत कार्य भी बन सकता है चुनौती

टीएनएफ टुडे, पटियाली।

सड़क का मतलब होता है ऐसा रास्ता, जिस पर लोग आसानी से आवगमन कर जरूरी स्थानो तक पहुंच सकें। लेकिन गंजडुंडवारा ब्लॉक क्षेत्र के गांव बरौना में सड़क की तस्वीर विकास के दावों को आईना दिखाती नजर आती है। क्यों कि बरी बगवास से बरौना तक जाने वाली करीब ढाई से तीन किलोमीटर लंबी पीडब्ल्यूडी सड़क लंबे समय से बदहाल है। जगह-जगह गड्ढे, कीचड़, जलभराव और गंदगी ने ग्रामीणों की राह मुश्किल कर रखी है। बरसात में हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि सड़क और दलदल में

अंतर करना मुश्किल हो जाता है।सबसे खराब स्थिति सरकारी विद्यालय के सामने है, जहां छोटे-छोटे बच्चों को वर्षों से कीचड़ और गंदगी के बीच से होकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। ऐसे में फिसलने और चोट लगने का खतरा बना रहता है।

उक्त अव्यवस्था को लेकर समाजसेवी एवं सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट अब्दुल हफीज गांधी ने बताया कि बरौना गांव पिछले करीब पांच वर्षों से बाढ़ के खतरे से जूझ रहा है। इस दौरान जिले के वरिष्ठ अधिकारी बांध व बाढ़ से संबंधित निरीक्षण के लिए लगातार गांव पहुंचते रहते हैं। इसके बावजूद विडंबना यह है कि अधिकारी इसी बदहाल रास्ते और स्कूल के सामने बने कीचड़ से होकर गुजरते हैं, लेकिन सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि मामला सिर्फ सड़क की बदहाली तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और बाढ़ के दौरान राहत-बचाव व्यवस्था से भी जुड़ा है। बाढ़ की स्थिति में यही मार्ग गांव तक एंबुलेंस, ट्रैक्टर, ट्रक, राहत सामग्री और अन्य जरूरी वाहनों के पहुंचने का प्रमुख रास्ता बनता है। सड़क की खराब हालत आपदा के समय राहत कार्य में भी बाधा बन सकती है। उन्होने कहा कि बांध को मजबूत करना जितना जरूरी है, उतना ही बाढ़ प्रभावित गांव तक पहुंचने वाले मार्ग को सुचारु रखना भी जरूरी है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन से तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर सड़क की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराने, विद्यालय के सामने जलनिकासी की व्यवस्था करने तथा जलभराव वाले हिस्से को ऊंचा व मजबूत कर आरसीसी सड़क का निर्माण कराने की मांग की है।

कासगंज: कांस के जंगलों से विकास के नए सवेरे तक

संजय धूपड़, कासगंज ब्यूरो चीफ।

विष्णु ने वराह बनकर पृथ्वी को बचाया, जहाँ तुलसी ने रामचरितमानस की चौपाइयों की कल्पना की होगी और जहाँ अमीर खुसरो ने पहली बार पहेलियाँ बुझी होंगी। कांस के जंगल से शुरू हुई यह यात्रा आज कांशीराम नगर के पड़ाव से होते हुए एक आधुनिक जनपद बनने की ओर अग्रसर है।आवश्यकता है कि हम इसकी प्राचीनता को संरक्षित रखते हुए आधुनिकता को अपनाएँ। जब इतिहास और विकास साथ चलते हैं, तभी एक जिले का नया सवेरा होता है - और कासगंज उसी सवेरे की दहलीज पर खड़ा है। कासगंज की कहानी उसके नाम में ही छिपी है। यह नगर कभी 'कांस' के घने जंगलों के बीच स्थापित किया गया था, इसलिए इसका नाम कासगंज पड़ा। मुगल और ब्रिटिश काल में इसे 'खासगंज' भी कहा जाता था, जो कालांतर में कासगंज हो गया। प्रशासनिक इतिहास में कासगंज का अध्याय बहुत नया है। अलीगढ़ मंडल में पड़ने वाला यह जिला उत्तर प्रदेश का 71वां जिला है। इसका गठन एटा जिले को विभाजित करके 15 अप्रैल 2008 को शासकीय अभिलेखों में 17 अप्रैल 2008 किया गया था। गठन के समय इसमें एटा की तीन तहसीलें - कासगंज, पटियाली और सहावर को शामिल किया गया था। राजनीतिक रूप से इसका नामकरण भी चर्चा का विषय रहा। जिले के गठन के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने इसका नाम दलित राजनीति के प्रणेता मान्यवर कांशीराम के नाम पर ₹कांशीराम नगर₹ रखने का निर्णय लिया था। बाद में पुनः इसका नाम कासगंज ही कर दिया गया, पर सरकारी दस्तावेजों में आज भी इसे कांशीराम नगर के नाम से भी जाना जाता है।

जिले की अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि और पशुपालन

सकल जिला घरेलू उत्पाद काफी हद तक कृषि, पशुपालन, वन और लॉगिंग, परिवहन, खनन और विनिर्माण इकाइयों पर निर्भर है। गेहूँ, धान, मक्का, सरसों और आलू यहाँ की प्रमुख फसलें हैं। दोआब की मिट्टी की उर्वरता ने यहाँ के किसान को आत्मनिर्भर बनाया है।

पौराणिक और सांस्कृतिक विरासत

सोरों शूकरक्षेत्र यदि कासगंज की आत्मा को कहीं खोजना हो तो वह है - सोरों। कासगंज की संस्कृति और विरासत काफी प्राचीन है और इसका

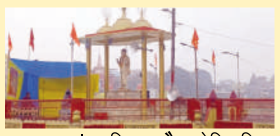

अपना सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है। सोरों को शूकरक्षेत्र के नाम से जाना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार राक्षस हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को चुराकर सोरों के कुंड में छिपा दिया था। तब भगवान विष्णु ने वराह अवतार लिया, राक्षस का वध किया और पृथ्वी को उसके मूल स्थान पर पुनः स्थापित किया। यह मंदिर बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इसी कारण सोरों में हर की पौड़ी पर स्नान का वही महत्व है जो हरिद्वार में है। सोरों एक पवित्र एवं प्राचीन स्थान है जहाँ कई मंदिर स्थित हैं। यहाँ राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात सहित पूरे भारत से श्रद्धालु आते हैं। मार्गशीर्ष एकादशी मेला यहाँ का सबसे प्रसिद्ध मेला है, जब हजारों लोग पवित्र हर की पौड़ी में स्नान करने आते हैं।

महापुरुषों की है जन्मस्थली

दो महापुरुषों का संबंध भी जिला कासगंज से जुड़ा है - संत तुलसीदास और सूफी कवि अमीर खुसरो। से जुड़ा है तुलसी की जन्म स्थली सोरों तहसील कासगंज और खुसरो की जन्म स्थली पटियाली तहसील से माना जाता है। यह तथ्य कासगंज को भक्ति और गंगा-जमुनी तहजीब दोनों का संगम बनाता है।

मेलों की परंपरा यहाँ जीवंत है

ककोड़ा मेला, मार्गशीर्ष मेला भीमसेन मेला और नव दुर्गा मेला सालाना आयोजित किए जाते हैं और भक्तगण पूर्ण आस्था के साथ यहाँ आते हैं। सोरों विकास खंड में लगने वाला पशु मेला उत्तर भारत के सबसे बड़े पशु मेलों में से एक है।

विरासत में ही है समाधान की कुंजी

यदि सोरों शूकरक्षेत्र को अयोध्या, मथुरा, काशी की तर्ज पर एक व्यवस्थित धार्मिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाए, तो यहाँ होटल, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प को अपार रोजगार मिलेगा। कछला-कासगंज-सोरों को जोड़ता हुआ एक रिवर फ्रंट, पशु मेले को अंतरराष्ट्रीय पशु प्रदर्शनी में बदलना, और आलू तथा सरसों पर आधारित फूड प्रोसेसिंग उद्योग की स्थापना - ये तीन कदम कासगंज को पिछड़े जिले की श्रेणी से निकालकर एक आत्मनिर्भर जिले में बदल सकते हैं।

समाजसेवा की अनूठी मिसाल: बबलू पंडित ने बांटे 750 छाते

- छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व रसोइयों को मिले छाते, चेहरों पर खुशी
- नगर के मठ-मंदिरों में भी पहुंची सेवा

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

तीर्थ नगरी सोरों में समाजसेवा और जनहित के कार्यों को समर्पित श्री गंगा सभा के महामंत्री एवं समाजसेवी बबलू पंडित ने बारिश के मौसम में स्कूली बच्चों, शिक्षकों एवं रसोइयों को राहत पहुंचाने की सराहनीय पहल की। उन्होंने नगर के विभिन्न प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों और रसोइयों को 750 छातों का वितरण किया।

सोरों के सहावर गेट, गंगा गली, बदरिया, मढ़ई सराय, उपाध्यान तथा काशीराम आवास कॉलोनी स्थित प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में छाते वितरित किए गए। इसके साथ ही नगर के विभिन्न मठ-मंदिरों में भी छाते पहुंचाए गए।

छाता पाकर विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। बच्चों ने इस पहल के लिए समाजसेवी बबलू पंडित का आभार जताया। विद्यालय के शिक्षक नगेंद्र शर्मा ने कहा कि बारिश के मौसम में बच्चों और विद्यालय स्टाफ को छाते की आवश्यकता रहती है। ऐसे समय में समाजसेवी बबलू पंडित द्वारा छातों का वितरण किया जाना बेहद सराहनीय एवं मानवीय पहल है। छाता वितरण के दौरान श्री गंगा सभा महामंत्री बबलू पंडित, शैलेंद्र महेरे, मोहन प्रश्नावत पांडा, मोहित तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सोरों में जरूरतमंदों की सहायता के लिए की गई इस पहल की स्थानीय लोगों ने भी प्रशंसा की और कहा कि बारिश के मौसम में 750 छातों का वितरण निश्चित रूप से बच्चों और विद्यालय स्टाफ के लिए उपयोगी साबित होगा।

साइकिल सवार 55 वर्षीय व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

टीएनएफ टुडे, अमापुर। थाना क्षेत्र के नगला सीडर निवासी 55 वर्षीय अनोखे लाल पुत्र किशन लाल की सड़क हादसे में मौत हो गई। सोमवार सुबह साइकिल से जा रहे अनोखे लाल को बाइक सवार ने कासगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव बजीरपुर के समीप बने रजनीकांत फार्म हाउस के समीप टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।मृतक के बेटे फुलबारी ने बताया कि घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे की है। हादसे के बाद परिजनों ने घायल अनोखे लाल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भेज दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

शहर के चर्चित जिम की अनुशासनहीनता पर नगर आयुक्त ने लिया एक्शन-नगर आयुक्त के रडार पर आया हैबिटेट में संचालित नियो फिटनेस जिम

अलीगढ़। अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ/ नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर अलीगढ़ स्थित नियो फिटनेस को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर की छवि एवं प्रतिष्ठा प्रभावित करने वाली गतिविधियों तथा लीज पर दिए गए परिसर के निर्धारित उपयोग के उल्लंघन के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

बीते दिनों नगर आयुक्त/सीईओ अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के संज्ञान में आया है कि नियो फिटनेस परिसर से संबंधित एक वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं डिजिटल न्यूज पोर्टलों पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है वीडियो में जिम परिसर के भीतर की गतिविधियां प्रदर्शित होने के कारण सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रकार की टिप्पणियां एवं प्रतिक्रियाएं सामने आईं जिससे कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर की छवि प्रतिष्ठा एवं जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हुई।

नगर आयुक्त/ सीईओ प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि नोटिस के जरिये संबंधित फर्म से पूछा गया है कि उसके विरुद्ध ऐसी गतिविधियां संचालित करने अथवा उन्हें अनुमति देने के लिए कार्रवाई क्यों न की जाए जिनसे कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर की प्रतिष्ठा प्रभावित हुई अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड को हुई क्षति के लिए आर्थिक दंड एवं क्षतिपूर्ति की वसूली क्यों न की जाए।

उन्होंने बताया कि फर्म को नोटिस प्राप्त होने के तीन कार्य दिवस के भीतर अपना संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त न होने की स्थिति में लीज एग्रीमेंट की शर्तों के तहत लीज समाप्त करने तथा फर्म को ब्लैकलिस्ट करने सहित अन्य उचित कार्रवाई की जा सकती है।

एक सच जो नहीं कबूलते...

निशा कांत शर्मा, एटा ब्यूरो चीफ

एटा का पुराना नाम 'एंठा' था, जो समय के साथ बदलकर एटा हो गया। संस्थापकः इस शहर को पृथ्वीराज चौहान के सरदार राजा संग्राम सिंह ने बसाया था, जिन्होंने यहाँ एक मिट्टी का दुर्ग भी बनवाया था। जिला गठनः ब्रिटिश काल के दौरान सन 1819 में एटा को आधिकारिक तौर पर जिला बनाया गया था।

ऐतिहासिक महत्व प्राचीन कालः यह क्षेत्र प्राचीन काल में 'ब्रज क्षेत्र' और 'सुरसेन महाजनपद' का हिस्सा रहा है। यहाँ मौर्य, गुप्त और कुषाण वंशों का शासन रहा है।1857 की क्रांतिः एटा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (1857 की क्रांति) में एक प्रमुख विद्रोह केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सांस्कृतिक धरोहरः पटियाली (जो अब कासगंज जिले में है, तब एटा का हिस्सा था) महान कवि और संगीतकार अमीर खुसरो की जन्मस्थली है। इसके अलावा आवागढ़ किला यहाँ के गौरवशाली इतिहास की जीवंत मिसाल है। यदि आप एटा के इतिहास के बारे में और अधिक जानना चाहते हैं, तो क्या आप किसी विशेष काल (जैसे प्राचीन काल या 1857 की क्रांति) के बारे में विस्तार से जानना चाहेंगे?

गुरुकुल

एटा जनपद का आर्ष गुरुकुल एटा-कासगंज रोड पर स्थित एक प्राचीन और प्रतिष्ठित वैदिक शिक्षण संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1948 में स्वामी ब्रह्मानंद दंडी ने की थी।

स्थापना और उद्देश्य संस्थापकः इसकी स्थापना देश की आजादी के ठीक बाद स्वामी ब्रह्मानंद दंडी द्वारा की गई थी।

मुख्य उद्देश्यः गुरुकुल परंपरा को जीवित रखना, संस्कृत (देववाणी) का प्रचार-प्रसार करना और भारतीय संस्कृति व वैदिक मूल्यों की रक्षा करना है।

मुख्य आकर्षणः विशाल यज्ञ शालायहाँ 84 खंभों पर बनी 108 कुण्डीय एक भव्य यज्ञशाला स्थित है। इसे एशिया और विश्व की सबसे बड़ी स्थाई रूप से बनी यज्ञशाला माना जाता है। इस यज्ञशाला की दीवारों पर भावार्थ सहित संपूर्ण यजुर्वेद उत्कीर्ण किया गया है। परिसर और व्यवस्था गुरुकुल के पास लगभग 40 एकड़ कृषि भूमि तथा 5 एकड़ में गुरुकुल भवन व गौशाला का परिसर है। यहाँ छात्रों के लिए पूर्णतः आवासीय और वैदिक अनुशासन वाली शिक्षा प्रणाली है। छात्रों की सुविधा के लिए समय-समय पर आधुनिक छात्रावासों का निर्माण और कायाकल्प भी किया जाता रहा है। सांस्कृतिक महत्वयह संस्थान देश और दुनिया भर में संस्कृत व वैदिक शिक्षा के प्रचार के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ से पढ़कर निकले कई विद्वान देश-विदेश में भारतीय संस्कृति और संस्कृत की अलख जगा रहे हैं।

केलास मंदिर

एटा जनपद के कैलाशगंज स्थित ऐतिहासिक कैलाश मंदिर का निर्माण संवत 1924-1926 के दौरान एटा के तत्कालीन राजा दिलसुख राय ने करवाया था। मुख्य विशेषताएँ और इतिहासऊंचाई और शैलीः शिखर शैली में बना यह प्राचीन मंदिर भूतल से लगभग 190 से 200 फीट ऊंचा है। इसके निर्माण में मुख्य रूप से चूने और सुखी ईंटों (चूने-बरी) का कार्य किया गया है।

चतुर्मुखी शिवलिंगः इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ स्थापित चतुमुर्खी शिवलिंग है। पुजारियों और मान्यताओं के अनुसार, ऐसा चतुर्मुखी शिवलिंग भारत के अन्य गिने-चुले स्थानों या केवल नेपाल के प्रसिद्ध मंदिरों में ही देखने को मिलता है, जिसके कारण दूर-दूर से शिव भक्त यहाँ दर्शन के लिए आते हैं।आस्था का केंद्रः यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और एटा के प्रमुख आध्यात्मिक व सांस्कृतिक केंद्रों में गिना जाता है। सावन के महीनों और महाशिवरात्रि पर यहाँ श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ता है। कासगंज के सोरों से गंगाजल लेकर आने वाले कांवड़िए भी इस मंदिर में आकर भगवान शिव को जल अर्पित करते हैं।

एटा का इतिहास

जनपद एटा, उत्तरप्रदेश सरकार एटा के पास भगवान शिव को समर्पित कैलाश मंदिर नामक एक ऐतिहासिक मंदिर भी है। अमीर खुसरो पटियाली, एटा में पैदा हुआ था और उर्दू के सबसे अच्छे कवियों में से एक माना जाता है . एटा जिले का अतरंजी खेड़ा काली नदी के तट पर स्थित एक प्रमुख और प्राचीन एतल्लेखित पुरातात्विक स्थल है।

ऐतिहासिक और भौगोलिक परिचय स्थानः यह स्थल एटा जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है।नदीः यह काली नदी के किनारे बसा हुआ है।मान्यताः ऐसा माना जाता है कि यह समृद्ध शहर इतिहास में कई बार बसा और उजड़ा है। प्राचीन काल में यहां राजा बेन का शासन था।भगवान बुद्ध से संबंधवषावासः पौराणिक और ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान बुद्ध ने यहां प्राचीन वेरंजानगर (बेरंजा) में वषावास बिताया था। बौद्ध सर्किटः उत्तर प्रदेश सरकार ने इस ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए इसे बौद्ध सर्किट में शामिल किया है।

आवागढ़

एटा जनपद में स्थित अवागढ़ का किला 12वीं शताब्दी में क्षत्रिय वंश के जादौन (यादव) शासकों द्वारा बनवाया गया एक ऐतिहासिक और विशाल दुर्ग है।

निर्माण और वास्तुकला क्षेत्रफलः यह प्राचीन किला लगभग 108 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है।

अवस्थितिः यह एक छोटे से टीले पर स्थित है और इसके चारों ओर एक बहुत बड़ी और गहरी खाई बनी हुई है। परिसरः हरे-भरे मैदानों से घिरे इस किले के अंदर राजमहल, मंदिर और अन्य ऐतिहासिक अवशेष मौजूद हैं। इसकी वास्तुकला राजपूत और भारतीय-इस्लामी शैली का सुंदर मिश्रण दर्शाती है।

ऐतिहासिक महत्व और 1857 की क्रांतिस्वतंत्रता संग्रामः वर्ष 1857 की क्रांति और उसके बाद यह किला स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रमुख केंद्र बना रहा।

शस्त्रागारः अवागढ़ के राजा बलवंत सिंह ने इस किले का शस्त्रागार स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के लिए खोल दिया था।अंग्रेजों से संघर्षः राजा बलवंत सिंह ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था। स्थानीय इतिहास के अनुसार, उन्होंने एक बार ब्रिटिश कमिश्नर को उसकी हठधर्मिता पर सबक सिखाते हुए बंदी बना लिया था।सामाजिक योगदानअवागढ़ रियासत के राजा बलवंत सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने आगरा में रजबलवंत सिंह कॉलेज की स्थापना के लिए सैकड़ों एकड़ जमीन और धन दान किया था। इसके अलावा, उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को शांतिनिकेतन की स्थापना में भी आर्थिक सहयोग दिया था।

जलेसर

जलेसर, उत्तर प्रदेश के एटा जिले (जनपद) की एक ऐतिहासिक और प्राचीन तहसील है, जिसे धार्मिक मान्यताओं में महाभारत कालीन शहर माना जाता है। यह क्षेत्र न केवल अपने समृद्ध राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास के लिए जाना जाता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने पीतल उद्योग (घंटा और घुँघरू उद्योग) के लिए भी प्रसिद्ध है।जलेसर के इतिहास को निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता हैः 1. पौराणिक और प्राचीन कालमहाभारत कालीन संबंधः मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल में मथुरा नरेश और भगवान कृष्ण के नाना उग्रसेन के एक अधिकारी जालंधर ने इस नगर को बसाया था। उन्हीं के नाम पर इसे पहले 'जलेश्वर' और बाद में 'जलेसर' कहा जाने लगा।

धार्मिक महत्व (पंच शिवालय)ः जलेसर को ब्रज क्षेत्र का उत्तर-पूर्वी हिस्सा माना जाता है। यहाँ के पंच शिवालय (पाँच प्राचीन शिव मंदिर) बहुत प्रसिद्ध हैं, जिनमें से एक 'पूर्ण इच्छेश्वर महादेव' का मंदिर वर्तमान पटना पक्षी विहार के पास स्थित है।2. मध्यकालीन और मुगल कालकिला निमार्णः 13वीं शताब्दी की शुरूआत में मेवाड़ से आए राजाओं और स्थानीय शासकों का यहाँ प्रभाव रहा, जिन्होंने रक्षा के लिए यहाँ एक किले का निर्माण कराया था।आईन-ए-अकबरी में उल्लेखः मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में अबुल फजल द्वारा रचित 'आईन-ए-अकबरी' (1595) में जलेसर का उल्लेख आगरा सरकार के अधीन एक महत्वपूर्ण 'महाल' के रूप में मिलता है। उस समय यह क्षेत्र मुगल सेना को 5,000 पैदल सैनिक और 400 घुड़सवार आपूर्ति करने की क्षमता रखता था।3. आधुनिक व ब्रिटिश कालआगरा से एटा में स्थानांतरणः जब अंग्रेजों ने भारत में जिला प्रणाली लागू की, तब 1803 में जलेसर को आगरा जनपद में शामिल किया गया था।

एटा जिले का गठनः साल 1830 के आसपास जब एटा जिले का गठन हुआ, तो जलेसर को आगरा से हटाकर एटा जनपद की तहसील बना दिया गया। वर्तमान में यह एटा जिले की तीन प्रमुख तहसीलों में से एक है। औद्योगिक एवं सांस्कृतिक विरासत

घुंघरू और घंटी नगरीः जलेसर को 'घुँघरू नगर' भी कहा जाता है। यहाँ का पीतल धातु हस्तशिल्प सदियों पुराना है। भारत और दुनिया के कई प्रसिद्ध मंदिरों (जैसे अयोध्या का राम मंदिर) में जलेसर में बने पीतल के विशाल घंटे भेजे जाते हैं।पटना पक्षी विहारः जलेसर से लगभग 5.5 किमी दूर स्थित पटना पक्षी विहार एक ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर है, जहाँ सर्दियों में यूरोपीय और अमेरिकी देशों से प्रवासी पक्षी आते हैं।

जलेसर भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के एटा ज़िले में स्थित एक नगर है। नगर के नाम से भी जाना जाता है।

एटा जनपद उत्तर प्रदेश के पश्चिमी भाग में गंगा और यमुना के उपजाऊ दोआब क्षेत्र में स्थित है। यह अलीगढ़ मंडल के अंतर्गत आता है।

सीमाएँः इसके उत्तर में कासगंज, पूर्व में फरुर्खाबाद, दक्षिण में मैनपुरी व फिरोजाबाद और पश्चिम में अलीगढ़, हाथरस, मथुरा व आगरा जिले स्थित हैं। इसकी सीमा किसी अन्य राज्य से नहीं मिलती है।

नदियाँः यहाँ ईसेन (ईसन) नदी बहती है, जो गजीपुर गाँव के पास से गुजरती है। इसके अलावा यह क्षेत्र गंगा और यमुना के जलोढ़ मैदानों का हिस्सा है। भू-भाग और ढलानः जिले का अधिकांश भूभाग उपजाऊ दोमट मिट्टी से बना है और इसकी सामान्य ढलान पूर्व में गंगा की घाटी की ओर है।

संग्राम

उत्तर प्रदेश का एटा जनपद ऐतिहासिक रूप से स्वतंत्रता संग्राम और उत्तर प्रदेश की सक्रिय चुनावी राजनीति का एक प्रमुख केंद्र रहा है।राजनीतिक महत्व और दिग्गज नेताकल्याण सिंह का प्रभावः उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह ने एटा को हमेशा अपना घर माना। एटा से जुड़ने के बाद यहां के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव आया, जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को काफी मजबूती मिली।

कॉरपोरेट के शिखरों से लेकर युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने तक

रोजगार और कौशल के पुरोधा सागर राणा

यूथ आइकॉन

ताजनगरी आगरा की माटी से उठकर शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक ऐसी मजबूत इबारत लिखना, जहाँ डिग्रियों के बोझ तले दबते युवाओं को कॉरपोरेट जगत की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके, हर किसी के बस की बात नहीं होती। आज के समय में जब अच्छी शिक्षा के बावजूद सही दिशा और अवसरों का अभाव युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, तब एन.एच.आई.- निन हाओ इंडिया' (N.H.I. – Nin Hao India) के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सागर राणा एक सच्चे मार्गदर्शक और पथप्रदर्शक बनकर उभरे हैं। उनकी यह संस्था आज हजारों युवाओं के लिए केवल एक शिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य का सुरक्षित आशियाना बन चुकी है।

आईबीएम डैक्स, सर्को और गूगल के गलियारों से शिक्षा के मंदिरों तक

सागर राणा का व्यक्तित्व किसी साधारण उद्यमी से कहीं अधिक एक दूरदर्शी विजनरी का है। शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखने से पहले वे देश की कई प्रतिष्ठित वैश्विक कंपनियों और बहुराष्ट्रीय संस्थानों का हिस्सा रह चुके हैं। उनके शानदार कॉर्पोरेट सफर में आईबीएम डैक्स, सर्को तथा गूगल के यूट्यूब विभाग, गुरुग्राम जैसे दिग्गज संगठनों में कार्य करने का अमूल्य अनुभव शामिल है। कारपोरेट जगत के उच्च पदों पर रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोफेशनल्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। यहाँ तक कि विदेशों से आने वाले विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडलों और महत्वपूर्ण शासकीय कार्यक्रमों की जिम्मेदारी भी उन्होंने बखूबी संभाली। कॉपोर्रेट दुनिया की इस गहरी समझ और विशाल अनुभव ने ही उन्हें यह अहसास कराया किताबी ज्ञान से परे युवाओं को व्यावहारिक धरातल पर कैसे तैयार किया जाए।

2016 से निरंतर प्रगति की उड़ान: हर वर्ष अपग्रेड होता संस्थान

इसी विजन और संकल्प के साथ वर्ष 2016 में उन्होंने एन.एच.आई. की नींव रखी। सागर राणा का उद्देश्य कभी भी केवल विद्यार्थियों को किसी विषय का साधारण प्रशिक्षण द+ेना नहीं था, बल्कि उन्हें ऐसी रोजगारोन्मुख शिक्षा देना था जिससे वे भारत की शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अपनी जगह बना सकें। सागर राणा की अनूठी सोच का ही परिणाम है कि वर्ष 2016 से लेकर आज तक एन.एच.आई. ने खुद को समय, तकनीक और कॉर्पोरेट जगत की बदलती माँगों के अनुसार लगातार अपग्रेड किया है। चाहे एक मजबूत और अनुभवी टीम तैयार करना हो, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाना हो या अपनी व्यवस्था में नए तकनीकी बदलाव लाने हों, संस्थान ने हमेशा समय से एक कदम आगे बढ़कर काम किया है। यहाँ विद्यार्थियों को विदेशी भाषाओं (फॉरेन लैंग्वेजेज) के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल्स, कॉरपोरेट एटिकेट्स, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, इंटरव्यू प्रिपरेशन, जॉब रेडिनेस और आधुनिक एआई टूल्स जैसी आधुनिक क्षमताओं के लिए पूरी तरह तैयार किया जाता है।

आगरा से शुरू हुआ कारवां, देश के कई राज्यों तक फैला विस्तार

आज सागर राणा के नेतृत्व में निन हाओ इंडिया की गूंज केवल आगरा तक सीमित नहीं है। उनकी इस अनूठी शिक्षण प्रणाली और समर्पण का ही परिणाम है कि आगरा के अलावा मथुरा, फिरोजाबाद, हाथरस, अलीगढ़, ग्वालियर और राजस्थान के विभिन्न अंचलों से विद्यार्थी यहाँ खिंचे चले आते हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के दूरस्थ शहरों जैसे प्रयागराज और गाजियाबाद के साथ-साथ बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के युवा भी एन.एच.आई. से जुड़कर अपने कौशल को निखार चुके हैं। संस्थान की मजबूत टीम और सागर राणा के व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने अनगिनत युवाओं को भारत की प्रतिष्ठित कंपनियों और मल्टीनेशनल कंपनियों में रोजगार के द्वार तक पहुँचाया है।

भारत को ग्लोबल बिजनेस हब बनाने का संकल्प और स्वदेशी रोजगार पर फोकस

आज के दौर में अधिकांश युवा बेहतर भविष्य के नाम पर आँख मूंदकर विदेश भागने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन सागर राणा की सोच इससे बिल्कुल अलग और व्यावहारिक है। उनका दृढ़ विश्वास है कि भारत तेजी से एक ग्लोबल बिजनेस हब के रूप में उभर रहा है और आने वाले समय में देश के भीतर ही विदेशी भाषाओं और प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में दक्ष युवाओं के लिए रोजगार के महा-अवसर उपलब्ध होंगे। इसी सोच के तहत उन्होंने युवाओं को भारत में ही रहकर देश की नामचीन बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं में अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए प्रशिक्षित किया। उनका स्पष्ट मानना है कि हर युवा के लिए विदेश जाना न तो संभव है और न ही आवश्यक, बशर्ते उसे भारत की धरती पर ही वैश्विक स्तर की स्किलिंग मिल जाए।

दलीप ट्रॉफी

वैभव सूर्यवंशी शतक से चूके, पहली पारी में बढ़त नहीं ले सका ईस्ट जोन

एजेंसी, नई दिल्ली।

सेंट्रल जोन और ईस्ट जोन के बीच दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल का दूसरा दिन समाप्त हो गया है। सेंट्रल जोन ने शुरूआती दिन पहली पारी में 266 रन बनाए थे। ईस्ट जोन के लिए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धुआंधार पारी खेली, लेकिन वह शतक जड़ने से चूक गए। वैभव की दमदार पारी का फायदा ईस्ट जोन नहीं उठा सकी और पहली पारी में 266 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक सेंट्रल जोन ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 43 रन बनाए हैं और उसे अब तक इतने ही रनों की बढ़त मिली है।

वैभव-ईश्वरन ने दिलाई मजबूत शुरूआत

इससे पहले, ईस्ट जोन ने दूसरे दिन की शानदार शुरूआत की। वैभव और अभिमन्यू ईश्वरन ने पहले विकेट के लिए 161 रनों की मजबूत साझेदारी की। यह साझेदारी वैभव के आउट होने पर टूटी जो 81 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 92 रन बनाकर आउट हुए। 15 वर्षीय सूर्यवंशी ने इस दौरान दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक जड़ने वाला सबसे कम उम्र का बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने 1969 में 16 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले लक्ष्मण सिंह का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। उन्हें 40 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान भी मिला जब सारांश जैन की गेंद पर यश राठौड़ ने बैकवर्ड प्वाइंट पर आसान कैच टपका दिया। इस एक मौके को छोड़ दें तो सूर्यवंशी ने गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला और कई शानदार शॉट लगाए। कुमार कुशाग्र (0) तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन पहली ही गेंद पर कैच आउट होकर पवेलियन लौट गए।

इंग्लैंड ने अपने नाम की टेस्ट सीरीज

एजेंसी, लंदन।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को चौथे दिन 194 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान की दूसरी पारी चौथे दिन तीसरे सत्र में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान ने इस तरह लॉड्र्स टेस्ट गंवाया और सीरीज भी हार गई। इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिनसन और जोश टंग ने दमदार गेंदबाजी की।

सऊद शकील की मेहनत पर फिर पानी

इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। लॉड्र्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रन पर ऑलआउट होने के बाद दूसरी पारी में भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी फ्लॉप साबित हुई। मध्य क्रम के बल्लेबाज सऊद शकील ने हालांकि, दमदार बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जीत दिलाने की कोशिश की। लेकिन उनकी मेहनत सफल नहीं हो सकी। पाकिस्तान के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन शकील ने ही बनाए, लेकिन वह शतक पूरा नहीं कर सके। शकील ने 97 रन बनाए, जबकि दूसरे छोर पर उनका साथ कोई नहीं निभा सका। पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि एक ही दिन में उसकी पूरी पारी ऑलआउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही समाप्त हो गया।

यूएस ओपन: जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना फिर टूटा! पहले दौर में हारकर बाहर

लंदन। नोवाक जोकोविच के लिए यूएस ओपन का आगाज बेहद दर्दनाक रहा। रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के इरादे से उतरे चौथी वरीयता प्राप्त सर्बियाई खिलाड़ी को पहले ही दौर में अर्जेंटीना के मैरियानो नवोने के हाथों हार का सामना करना पड़ा। करीब चार घंटे तक चले मुकाबले में 25 साले के नवोने ने 39 साल के जोकोविच को 7-6, 5-7, 6-4, 2-6, 6-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह नवोने के करियर की सबसे बड़ी जीत रही। इस जीत के साथ उन्होंने रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज कराया। वह 2006 से यानी पिछले 21 साल में किसी ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

आर्थर ऐश स्टेडियम में मुकाबले की शुरूआत से ही जोकोविच शारीरिक परेशानियों से जूझते नजर आए। क्लोज्ड रूफ (बंद छत) होने से पहले वह बार-बार सिर पर बर्फ का बैग रखते दिखे। न्यूयॉर्क की उमस भरी परिस्थितियों में वह असहज नजर आए और छत बंद होने के बाद सुपरवाइजर से एसी चलाने के बारे में भी पूछा। तीसरे सेट में उनकी परेशानी और बढ़ गई। छठे गेम के दौरान जोकोविच ने कई बार उल्टी की। वह कोर्ट के पीछे झुक गए, लेकिन इसके बाद भी मुकाबला जारी रखा। टूर्नामेंट के फिजियो ने उन्हें टैबलेट दी, जबकि उनकी टीम कोर्टसाइड से उन्हें लिक्विड देती रही। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और लड़ते रहे।

पिछड़ने के बाद जोकोविच ने की वापसी

जोकोविच ने खराब शुरूआत के बाद मुकाबले में वापसी की। वह पहले सेट का टाईब्रेक हार गए थे, लेकिन दूसरे सेट में 7-5 से जीत दर्ज कर उन्होंने मैच बराबर करने की दिशा में कदम बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने तीसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। शारीरिक परेशानियों के बावजूद जोकोविच ने खुद को मुकाबले में बनाए रखा और एक समय वह जीत से सिर्फ एक सेट दूर थे, लेकिन नवोने ने हार नहीं मानी।

निर्णायक सेट में छलके आंसू

नवोने ने चौथे सेट में जोरदार वापसी करते हुए इसे 6-2 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया। पांचवें सेट में जोकोविच पूरी तरह थके हुए नजर आए। नवोने ने 4-1 की बढ़त बनाई तो सर्बियाई खिलाड़ी की ऊर्जा साफ तौर पर खत्म होती दिखी। इसी दौरान जोकोविच कोर्ट पर रो पड़े। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के लिए यह बेहद भावुक पल था। उनकी पत्नी जेलेना भी दर्शक दीर्घा में परेशान नजर आईं। दूसरी ओर नवोने ने अपना धैर्य बनाए रखा और निर्णायक सेट 6-1 से जीतकर जोकोविच को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। जोकोविच न्यूयॉर्क में अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब के लिए उतरे थे। यह जीत उन्हें पुरुष एकल में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाला खिलाड़ी बना सकती थी।